mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-29 अंक-258 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा
18 सितम्बर 2025 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

ऑपरेशन व्हाइट...
@ पेज 7

प्रधानमंत्री ने मप्र के धार में देश के पहले पीएम मित्र पार्क का किया शिलान्यास

पीएम मोदी बोले: हर दुकान पर स्वदेशी का बोर्ड लगाएं,वही खरीदें जिसमें देशवासी का पसीना हो

भारतीय सामान खरीदकर जीएसटी कटौती का फायदा उठाएं

धार, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने 75वें जन्मदिन पर बुधवार को एमपी के धार में कहा, ये नया भारत है। ये परमाणु धमकी से नहीं डरता। हम घर में घुसकर मारते हैं। ऑपरेशन सिंदूर में हमारे जवानों ने पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया।

उन्होंने कहा, धार की धरती पराक्रम की धरती है। मां भारती की आन-बान-शान से बड़ा कुछ नहीं। हमारा हर पल देश के लिए समर्पित हो। देश की मर-मिटने की सौगंध लेकर हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने सबकुछ देश के लिए समर्पित कर दिया था।पीएम ने बदनावर तहसील के भैंसोला गांव में पीएम मित्र पार्क की आधारशिला रखी। यहां खुली जीप में लोगों का अभिवादन किया। साथ ही राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा के लिए सिंगल क्लिक पर राशि ट्रांसफर की।

पीएम बोले- माताओं-बहनों के जीवन की मुश्किलें कम की :पीएम ने कहा- मेरा हमेशा प्रयास रहा है कि माताओं-बहनों का जीवन आसान बनाऊं, उनकी मुश्किलें कम करूं। स्वच्छ भारत योजना के तहत शौचालय, उज्जवला गैस कनेक्शन, जल जीवन मिशन, आयुष्मान योजनाज इन सभी ने माताओं-बहनों के जीवन की मुश्किलें कम की और उनका स्वास्थ्य बेहतर बनाया है। मैं भाइयों से भी कहूंगा, आप भी मेरा साथ दीजिए और माताओं-बहनों के स्वास्थ्य का परीक्षण जरूर करवाएं।

सिकलसेल स्क्रीनिंग का पहला कार्ड शहडोल में दिया था। आज एक करोड़वां कार्ड भी मध्यप्रदेश में दिया है। अब तक इस अभियान के तहत पूरे देश में पांच करोड़ से ज्यादा लोगों की स्क्रीनिंग हो चुकी है। इससे लाखों आदिवासियों का जीवन सुरक्षित हुआ है। ये काम आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत बड़ा आशीर्वाद बनने वाला है। जिनका जन्म नहीं हुआ है, हम उनके लिए काम कर रहे हैं। आज की पीढ़ी स्वस्थ हो जाएगी तो नई पीढ़ी सुरक्षित होगी।

पीएम ने कहा- आज से स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार महाअभियान शुरू हो रहा

पीएम ने कहा, यहां से स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार एक महाअभियान का आरंभ हो रहा है। देशभर में अलग-अलग चरणों में आदिसेवा पर्व की गूंज पहले से सुनाई दे रही है। आज से इसका मध्य प्रदेश संस्करण शुरू हो रहा है। यह अभियान धार समेत मध्य प्रदेश के जनजातीय समाज से जोड़ने का सेतु बनेगा। उन्होंने कहा, विश्वकर्मा जयंती यानी से आज से बड़ी औद्योगिक शुरुआत होने जा रही है। भारत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री को ऊर्जा मिलेगी। देशभर के लाखों किसान इस समय जुड़े हैं। टेक्सटाइल पार्क से लोगों को बड़ी संख्या से रोजगार मिलेगा।

सिकससेल स्क्रीनिंग का पहला और 1 करोड़वां कार्ड एमपी में ही दिया

पीएम ने कहा- मध्यप्रदेश की धरती से एक और अभियान की चर्चा करना चाहता हूं। हमारे आदिवासी इलाकों में सिकलसेल एनीमिया एक बड़ा संकट है। हमारी सरकार आदिवासी भाई-बहनों को इस बीमारी से बचाने के लिए राष्ट्रीय मिशन चला रही है। इसकी शुरुआत हमने 2023 में शहडोल से की थी।

विकसित भारत के चार स्तंभ

पीएम मोदी ने कहा-गुलामी की जंजीरों को तोड़कर देश आगे बढ़े ये हमारे देशभक्त चाहते थे। हमने विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है। इस विकसित यात्रा के चार स्तंभ हैं। भारत की नारी शक्ति, युवा शक्ति गरीब और किसान। इस कार्यक्रम में चारों स्तंभों को मजबूती देने का काम हुआ है। ये कार्यक्रम धार में हो रहा है, लेकिन ये पूरे भारत के लिए हो रहा है। यहां से स्वस्थ्य नारी, सशक्त परिवार जैसे महा अभियान की शुरुआत हो रही है। पूरे देश में आदि सेवा की गूंज सुनाई दे रही है। आज से इसका मध्यप्रदेश संस्करण शुरू हो रहा है।

सीएम बोले- मोदी के नेतृत्व में हर काम मुमकिन

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में मोदी है तो मुमकिन है। हर काम संभव हुआ है। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश की तरक्की को दुनिया देख रही है। ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई केवल पीएम मोदी के नेतृत्व में ही संभव हो सकती थी। कश्मीर में सबसे ऊंचा ब्रिज बना, नार्थ ईस्ट में ट्रेन पहुंची हैं। यूपीआई ने नए आयाम तय किए हैं। ये सभी कार्य पीएम मोदी के कार्यकाल में ही संभव हुए है। इसके बाद पीएम मोदी ने रिमोट का बटन दबाकर पीएम मित्र पार्क समेत अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की सौगात दी।

भारत-यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर हम उत्सुक, माल्टा के राजदूत का बयान

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत और माल्टा के बीच राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ के मौके पर, भारत में माल्टा गणराज्य के राजदूत रूबेन गौसी ने कहा कि माल्टा यूरोपीय संघ-भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए उत्सुक है। उन्होंने आगे कहा कि एफटीए से भारत के साथ व्यापार में तेजी ही आएगी। भारत व्यापार का विस्तार करने के लिए अमेरिका, यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका और कई अन्य देशों सहित कई क्षेत्रों के प्रमुख साझेदारों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है।

भारत-माल्टा संबंधों को 60 साल पूरे :गौसी ने बताया, यह भारत-माल्टा संबंधों की 60वीं वर्षगांठ है, जो 10 मार्च 1965 को स्थापित हुए थे। हम भारत और माल्टा के बीच द्विपक्षीय संबंधों को बहुत महत्वपूर्ण मानते हैं। भारत माल्टा के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने वाले पहले देशों में से एक था। हम भारत के साथ व्यापार का विस्तार करना चाहते हैं।

कुछ लोग कहते थे भारत-पाक संघर्ष उन्होंने रुकवाया, अब पता चल गया न

इशाक डार के बयान पर राजनाथ सिंह

हैदराबाद,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बयान में कहा कि किसी के हस्तक्षेप के कारण आतंकवादियों के खिलाफ अभियान स्थगित नहीं किया गया। राजनाथ सिंह ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पर बिना नाम लिए निशाना साधा और कहा कि कुछ लोग भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रोकने का दावा करते हैं। लेकिन किसी ने ऐसा नहीं किया। अब तो खुद पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया है कि भारत ने इसमें किसी भी तीसरे पक्ष की भूमिका को अस्वीकार कर दिया था।

राजनाथ सिंह बोले- तीसरे पक्ष का कोई हस्तक्षेप नहीं-हैदराबाद में आयोजित हैदराबाद मुक्ति दिवस के कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ लोग भारत-पाकिस्तान संघर्ष को रोकने का दावा करते हैं। लेकिन किसी ने ऐसा नहीं किया। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया है कि भारत ने इसमें किसी तीसरे पक्ष की भूमिका को स्वीकार नहीं किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि किसी के हस्तक्षेप के कारण आतंकवादियों के खिलाफ अभियान स्थगित नहीं किया गया।

छत्तीसगढ़ के कवर्धा में ट्रैक्टर समेत 7 बहे

वैष्णो देवी यात्रा शुरू, दोनों रूट खुले, लैंडस्लाइड के कारण 22 दिन से बंद थी

नई दिल्ली, देहरादून, श्रीनगर, एजेंसी। उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार में मानसून अभी भी एक्टिव है। मौसम विभाग ने इन राज्यों में बुधवार को भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। हालांकि राजस्थान, गुजरात और पंजाब से मानसून की वापसी शुरू हो गई है।

मंगलवार को उत्तराखंड के देहरादून और अन्य इलाकों में बादल फटने से भारी तबाही हुई। बारिश और आपदा में 15 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग अभी भी लापता हैं।

जम्मू कश्मीर के कटरा में 22 दिन से बंद वैष्णो देवी यात्रा आज (17 सितंबर) से शुरू हो गई। 26 अगस्त को यात्रा मार्ग पर अर्धकुंवारी के पास लैंडस्लाइड के बाद से यात्रा बंद थी।

बारिश से हिमाचल प्रदेश में 1,500 घर बर्बाद :हिमाचल प्रदेश में इस साल मानसून ने भारी तबाही मचाई है। 20 जून से अब तक 1,500 से अधिक घर पूरी तरह से नष्ट हो गए और कई परिवार बेघर हुए हैं। राज्य में इस बार औसत बारिश 1010.9 मिमी रही, जो सामान्य 692.1 मिमी से 46% अधिक है।

हिमाचल प्रदेश: 3 NH समेत 652 सड़कें बंद, 4582 करोड़ का नुकसान :हिमाचल में भारी बारिश की वजह से 3 नेशनल हाईवे समेत 652 सड़कें बंद हैं। इनमें 80 फीसदी सड़कें 20 दिन से अवरुद्ध है। भारी बारिश से 4582 करोड़ रुपए की निजी व सरकारी संपत्ति का नुकसान हो चुका है।.

झारखंड में अब तक 1113.9 मिमी बारिश :एक जून से अब तक राज्य में कुल 1113.9 मिमी बारिश हो चुकी है, जबकि सामान्य बारिश 927.9 मिमी मानी जाती है। इस बार औसत से 20 फीसदी अधिक वर्षा हुई है।

राजधानी रांची में 1413.5 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जो सामान्य 944.8 मिमी से 50 फीसदी अधिक है।

कवर्धा में ट्रैक्टर-ट्रॉली समेत 7 बहे, आज 9 जिलों में अलर्ट

9 जिलों में मध्यम बारिश और बिजली गिरने का यलो अलर्ट है। कवर्धा के घुमाछापर गांव के पास टमरू नाले में रेत से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली बाढ़ की चपेट में आ गई, जिसमें सवार सात मजदूर भी बह गए। हालांकि सभी मजदूरों ने तैरकर अपनी जान बचा ली। धमतरी जिले के नगरी ब्लॉक में सिंगपुर पठार के पास रपटे में अचानक बाढ़ का पानी आ गया। जिसे पार कर रहा युवक बाइक सहित बह गया।

प्रधानमंत्री मोदी की बायोपिक मां वंदे का पहला पोस्टर आया सामने

मुंबई,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर उनके जीवन पर आधारित नई बायोपिक फिल्म मां वंदे का पहला पोस्टर जारी कर दिया गया है। इस पोस्टर में मलयालम सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता उन्नी मुकुंदन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गेटअप में एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करते दिखाई दे रहे हैं। इस महत्वाकांक्षी फिल्म का निर्देशन क्रांति कुमार सीएच

संभाल रहे हैं, जो अपनी गहरी कहानी कहने की शैली और संवेदनशील निर्देशन के लिए पहचाने जाते हैं। फिल्म का निर्माण वीर रेड्डी एम कर रहे हैं, जिन्होंने इस बायोपिक को पैन-इंडिया स्तर पर पेश करने की ठानी है। फिल्म 'मां वंदे' का पहला पोस्टर भी हाल ही में जारी किया गया है। इस पोस्टर में मलयालम सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता उन्नी मुकुंदन प्रधानमंत्री मोदी के गेटअप में नजर आ रहे हैं।

पीएम मोदी का 75 वां जन्मदिन-राहुल गांधी ने बधाई दी

भाजपा ने शुरू किया सेवा पखवाड़ा; राजनाथ और शाह ने सुनाई मोदी स्टोरी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आज 75वां जन्मदिन है। मोदी को उनके जन्मदिन पर दुनिया भर से बधाई मिल रही है। कांग्रेस रायबरेली सांसद राहुल गांधी ने भी X पर एक पोस्ट के जरिए पीएम को जन्मदिन और बेहतर स्वास्थ्य की शुभकामनाएं दीं। BJP ने भी मोदी की कहानी के शॉर्ट वीडियो शेयर किए हैं। इसे मोदी स्टोरी नाम दिया है। वीडियो में चाय का गिलास और मोदी स्टोरी लिखा है। राजनाथ सिंह, अमित शाह, जेपी नड्डा समेत कई सीनियर नेताओं ने पीएम से जुड़े किस्से सुनाए हैं। भाजपा ने देशभर में दो हफ्ते का सेवा पखवाड़ा शुरू किया है। इस दौरान कई राज्यों में 'नमो युवा रन' और रक्तदान शिविर आयोजित किए जाने हैं। बिहार भाजपा, राज्य में 50 हजार जगहों पर पीएम मोदी पर बनी शॉर्ट फिल्म दिखाएगी।

केजरीवाल को बंगला मिलने में देरी पर केंद्र को फटकार

दिल्ली हाईकोर्ट बोला- किसे घर मिलेगा, सरकार चुन-चुनकर तय नहीं कर सकती

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को बंगला आवंटित करने में देरी के लिए केंद्र सरकार को फटकाई लगाई। जस्टिस सचिन दत्ता ने कहा कि सरकार का रवैया सभी के लिए फ्री सिस्टम जैसा है। किसे मकान मिलेगा, किसे नहीं, यह सरकार चुनिंदा तरीके से तय नहीं कर सकती।

दरअसल, आम आदमी पार्टी ने अपनी एक याचिका में केजरीवाल को दिल्ली में सरकारी आवास आवंटित करने के लिए केंद्र को निर्देश देने की मांग की है। क्क ने दावा किया कि उसने इसको लेकर पिछले साल 20 सितंबर को

केंद्र को पहली बार पत्र लिखा था। उसके बाद एक रिमाइंडर भी भेजा था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। आप ने कहा कि कि केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद 4 अक्टूबर, 2024 को 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित अपना सरकारी आवास खाली कर दिया था। इसके बाद से, वह मंडी हाउस के पास एक पार्टी सांसद के सरकारी आवास में रह रहे हैं।

आप बोली- केजरीवाल को मिलने वाला बंगला किसी और को दिया आप के वकील राहुल मेहरा ने कोर्ट में बताया कि इस साल मई में बसपा सुप्रीमो मायावती ने 35 लोधी एस्टेट स्थित बंगला खाली कर दिया था। केंद्र के वकील ने केजरीवाल को यह बंगला आवंटित करने के पार्टी के प्रस्ताव पर निर्देश प्राप्त करने के लिए समय मांगा था।

मेहरा ने दावा किया कि केंद्र सरकार के वकील ने ASG की गैरमौजूदगी का हवाला देते हुए बार-बार समय मांगा और बाद में यह बंगला किसी और को आवंटित कर दिया गया।

पीएम मोदी को मिली 1300 तोहफों की ई-नीलामी शुरू

देवी भवानी की मूर्ति की बेस प्राइज 1 करोड़ पैरालंपिक मैडलिस्टों के जूते भी बिकेंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उपहार में मिले 1,300 से ज्यादा सामानों की बुधवार से ई-नीलामी होगी। आज पीएम मोदी का 75वां जन्मदिन भी है। केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मंगलवार को दिल्ली स्थित नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट (NGMA) में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ई-नीलामी की घोषणा की।

उन्होंने बताया कि ई-नीलामी में पेंटिंग्स, कलाकृतियां और खेल संबंधी स्मृति चिन्ह शामिल हैं। उपहारों को फिलहाल NGMA में प्रदर्शनी के लिए लगाया गया है,

जहां विजिटर्स आकर इन्हें देख सकते हैं। इसके बाद वे ऑनलाइन सामानों की बोली लगाएंगे।

पीएम मोमेंटोज वेबसाइट के अनुसार, पीएम मोदी को मिले तोहफों में देवी भवानी की मूर्ति, अयोध्या के राम मंदिर का नक्काशीदार मॉडल और पैरालंपिक खेलों 2024 की खेल स्मृति चिन्हों का एक सेट शामिल है। देवी भवानी की मूर्ति की बेस प्राइज 1 करोड़ 3 लाख 95 हजार रुपए है। राम मंदिर के मॉडल का बेस प्राइज 5.5 लाख रुपए है। इसके अलावा पैरालंपिक पदक विजेताओं के तीन जोड़ी जूतों भी हैं, जिनकी बेस प्राइज 7.7 लाख रुपए है। ये पांचों सामान मॉडल बेस प्राइज के मामले में टॉप 5 की लिस्ट में हैं। पीएम मोदी को स्मृति चिन्ह के रूप में मिली उनकी एक पेंटिंग और अन्य उपहारों को 16 सितंबर को दिल्ली स्थित नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट में प्रदर्शनी के लिए रखा गया। पीएम मोदी को स्मृति चिन्ह के रूप में मिली उनकी एक पेंटिंग और अन्य उपहारों को 16 सितंबर को दिल्ली स्थित नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट में प्रदर्शनी के लिए रखा गया।

मणिपुर में कई उग्रवादी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने राज्य के विभिन्न जिलों में प्रतिबंधित संगठनों के कई उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में न केवल कई गिरफ्तारियां हुई, बल्कि हथियारों, संगठनात्मक मुहरों, संदिग्ध दस्तावेज़ों और अन्य सामग्री का बड़ा जखीरा भी बरामद किया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने बुधवार को बताया कि कांगलेपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीपुल्स वार ग्रुप) के तीन कैडर - थांगजम याइफाबा मैतेई (31), संज्ञामबम लोहा मैतेई (29) (दोनों इंफाल ईस्ट) और टोंजम हेमोन सिंह (46) (तांगखाम मक्ला लैकाई) को

इंफाल ईस्ट के खाबाम लामखाई बाजार और हाटा कांगजेइबुंग इलाकों से पकड़ा गया। इनके पास से मोबाइल फोन, आधार कार्ड, संगठनात्मक सील, केसीपी लेटरहेड और नकद बरामद किए गए। पुलिस का कहना है कि यह गिरोह बैंकों में दबाव बनाकर ऋण मंजूर कराने और वसूली में लगा हुआ था।

थौबल जिले के खांगाबोक जिला अस्पताल के पास से यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ-कोइरेंग गुट) के दो कैडर गिरफ्तार किए गए। उनकी पहचान हुइद्रोम संगबा (40) (इंफाल ईस्ट) और निंगोम्बम बिर्बन मैतेई (43) (चुराचांदपुर) के रूप में हुई। उनके पास से एक सफेद बोलेरो वाहन, मोबाइल, आधार कार्ड, एटीएम और दस्तावेज जब्त किए गए। इसी तरह, बिष्णुपुर जिले के कैबुल लामजाओ थाना क्षेत्र से पुलिस ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के दो कैडरों को उनके घरों से गिरफ्तार किया।

पार्किंग विवाद में पड़ोसी ने पांच को रॉटवीलर कुत्ते से कटवाया

एक की हालत गंभीर, आरोपी फरार

दिल्ली ,एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के वेलकम स्थित सुभाष पार्क इलाके में महज बाइक पार्क करने को लेकर हुए विवाद में पड़ोसी ने एक परिवार पर लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। मारपीट के दौरान आरोपी के पालतू रॉटवीलर कुत्ते ने पांच लोगों को काटकर जख्मी कर दिया। आरोपी अपने दोस्तों के साथ मौके से फरार हो गया। हमले में एक ही परिवार के छह लोग घायल हो गए हैं।पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस ने बेहद हल्की धाराओं में मामला दर्ज किया है।

पुलिस के मुताबिक सुभाष पार्क के गली नंबर-12 निवासी अरविंद राठौर का ज्वेलरी बॉक्स बनाने का कारोबार है। रविवार रात घर के सामने पड़ोसी शालू स्वामी ने अपनी बाइक खड़ी की थी। वह दोस्तों के साथ बाइक पर बैठकर बात कर रहा था। अरविंद ने शालू से बाइक हटाने के लिए कहा तो वह भड़क गया।

बचाने आए परिजनों पर भी हमला करवाया

अरविंद के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। अरविंद ने इसका विरोध जताया। पिता से बदसलूकी पर बेटे केतन ने शालू स्वामी को कॉल किया।

शालू ने केतन को बुलाकर तीन-चार दोस्तों के साथ केतन पर लाठी-डंडे और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। आवाज सुनकर उसके परिजन बचाने पहुंचे। आरोपियों ने केतन के पिता अरविंद राठौर, भाई आशीष चाचा पंकज, चचेरे भाई हर्ष और पत्नी निशा पर हमला कर दिया।

शालू अपने पालतू रॉटवीलर कुत्ते को परिवार पर छोड़ दिया। कुत्ते ने अरविंद, केतन, आशीष, पंकज और हर्ष को काट लिया। घायलों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां से अरविंद को निजी अस्पताल रेफर कर दिया गया।

नसलियों की हथियार छोड़ शांति वार्ता की पेशकश

सरकार बिना शर्त सरेंडर के पक्ष में... नीति स्पष्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। चौतरफा घिरने और शीर्ष कमांडर के मारे जाने से खौफ में आए नक्सलियों ने हथियार छोड़कर केंद्र सरकार से शांति वार्ता की पेशकश की है, लेकिन शर्त भी रखी है कि पहले सरकार की तरफ से एक महीने का संघर्ष विराम किया जाए। सरकार इसे खुद को मजबूत करने के लिए कुछ समय हासिल करने का नक्सलियों का हथकंडा मान रही है। सरकार ने पहले ही साफ कर दिया कि वह नक्सलियों के संघर्ष विराम के झांसे में नहीं आएगी। उन्हें बिना शर्त आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में आना होगा।

छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई के बाद नक्सली संगठन कम्युनिस्ट पार्टी माओवादी की केंद्रीय समिति के प्रवक्ता अभय ने यह पत्र जारी किया। पत्र में माओवादियों ने हथियारबंद संघर्ष को अस्थायी रूप से छोड़कर देश की उत्पीड़ित जनता की समस्या के समाधान के लिए जन संघर्षों में शामिल होने की बात कही है।

वीडियो कॉल से वार्ता की पेशकश : पत्र में कहा है, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री से लेकर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तक लगातार हथियार छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील कर रहे हैं, इसके मद्देनजर हमने हथियार छोड़ने का निर्णय किया है। हम इस विषय पर केंद्रीय गृह मंत्री या उनकी तरफ से नियुक्त व्यक्तियों या प्रतिनिधिमंडल से वार्ता के लिए तैयार हैं।

हम सरकार के साथ वीडियो कॉल के जरिये वार्ता के लिए तैयार हैं। इसलिए, सरकार तुरंत एक महीने के लिए औपचारिक संघर्ष विराम की घोषणा करे, ताकि हम देशभर में काम कर रहे और जेलों में बंद अपने नेताओं व साथियों से सलाह-मशविरा कर सकें। खोजी अभियान रोककर शांति वार्ता आगे बढ़ाना व खून से बह रहे जंगलों को शांति के वनों में तब्दील करना सरकार के रुख पर ही निर्भर करेगा।

सरकार की नीति स्पष्ट: केंद्र सरकार ने नक्सलियों के खिलाफ पहले ही अपनी नीति स्पष्ट की हुई है। सरकार का मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद को खत्म करने का एलान है। गृहमंत्री अमित शाह ने साफ संदेश दिया है कि सीजफायर के झांसे में सरकार नहीं आएगी। सरकार की नीति स्पष्ट है कि असली शांति सिर्फ आत्मसमर्पण और मुख्यधारा में वापसी से आएगी।

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, हम पत्र की प्रामाणिकता जांच रहे हैं। माओवादियों के लिए सबसे अच्छा तरीका आत्मसमर्पण करना है।

फूड डिलीवरी एप के जरिए भगोड़ा महिला गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। द्वारका जिला पुलिस ने फर्जीवाड़े के मामले में भगोड़ा महिला सुमन को आरोपी को फूड डिलीवरी एप के जरिए मोहन गार्डन इलाके से गिरफ्तार किया है। महिला पिछले पांच साल से गिरफ्तारी से बच रही थी।

महिला पर आरोप है कि वह फर्जी कागजात के जरिए एक ही प्लॉट को तीन अलग अलग लोगों को बेचकर ठगी की है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि पति की मौत के बाद चार बेटियों की जिम्मेदारी आने की वजह से उसने वारदात को अंजाम दिया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया, फरवरी 2024 को द्वारका अदालत ने उसे भगोड़ा करार दिया था। पुलिस ने महिला के आधार कार्ड का विवरण लेने के बाद उसे सहायक एप के माध्यम से चलाया। जिससे पता चला कि सुमन के आधार कार्ड पर नया मोबाइल नंबर जारी किया गया है।

टीम ने मोबाइल नंबर की लोकेशन ली, लेकिन लगातार प्रयासों के बाद भी उसकी लोकेशन की रेंज लंबी होने के कारण उसका पता नहीं चल सका। सीडीआर का विश्लेषण करने पर पता चला कि मोबाइल नंबर पर एक डिलीवरी ऐप से कई संदेश आए हैं। पुलिस टीम ने डिलीवरी एप कंपनी से उनकी सेवाओं का इस्तेमाल करने वाले ग्राहक का रहने के स्थान के बारे में पता लगाया। उसके बाद पुलिस ने महिला के नए पता लक्ष्मी विहार मोहन गार्डन में छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

दर्दनाक हादसा: सीवर की सफाई, जहरीली गैस और घुटने लगा दम; 4 सफाईकर्मियों में से एक की मौत, 3 की हालत खराब

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के अशोक विहार में सीवर की सफाई करते समय जहरीली गैस की चपेट में 4 सफाई कर्मचारी आ गए। जिनमें से एक की मौत हो गई है। वहीं, 3 सफाईकर्मियों की तबीयत बिगड़ गई। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, मंगलवार देर रात ये घटना अशोक विहार इलाके में हुई, जब एक अपार्टमेंट के पास सीवर की सफाई की जा रही थी। इस दौरान अचानक जहरीली गैस ने काम करने वाले चार सफाई कर्मचारियों को अपनी चपेट में ले लिया। इनमें से अरविंद (40 साल) की मौत हो गई है जबकि 3 कर्मचारी जहरीली गैस की चपेट में आकर बीमार हो गए।

पुलिस के मुताबिक, 16 सितंबर को रात 11.36 बजे हरिहर अपार्टमेंट, अशोक विहार फेज-II के पास सीवर सफाई के संबंध में एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। जिसमें कहा गया कि चार व्यक्ति सीवर के अंदर गिर गए। मौके पर पहुंचकर चारों को डीडीयू अस्पताल ले जाया गया। अरविंद (40 वर्ष, निवासी कासगंज, उत्तर प्रदेश) को मृत घोषित कर दिया गया। तीन अन्य- सोनू, नारायण (दोनों निवासी कासगंज, उत्तर प्रदेश) और नरेश (निवासी बिहार) - को बेहोशी की हालत में आईसीयू में भर्ती कराया गया। क्राइम टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। बृजगोपाल कंस्ट्रक्शन कंपनी के मैनेजर को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। इलाके में पिछले कई दिनों से सीवर सफाई का काम चल रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए वीओसी निगरानी तंत्र की मांग

नई दिल्ली ,एजेंसी । अंतरराष्ट्रीय ओजोन दिवस पर मंगलवार को दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) में पर्यावरण वैज्ञानिक और नीति विशेषज्ञ जुटे। इसमें वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (वीओसी) की व्यापक निगरानी की तत्काल आवश्यकता, ओजोन परत और जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए मजबूत जलवायु कार्रवाई पर जोर दिया गया। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए उन्नत वीओसी निगरानी तंत्र की मांग की गई। इस कार्यक्रम का विषय विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई था। इसका आयोजन पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की ओर से किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व अपर निदेशक डॉ. एसके त्यागी ने भारत के प्रमुख नगरीय केंद्रों में एक समर्पित वीओसी निगरानी तंत्र स्थापित करने के लिए ठोस प्रमाण प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत 2019-2025 की अवधि में 11,211 करोड़ आवंटित होने के बावजूद केवल 68 फीसदी का ही प्रभावी उपयोग हुआ। क्षमता निर्माण और निगरानी जैसे महत्वपूर्ण घटकों को मात्र चार फीसदी आवंटन प्राप्त हुआ है, जिसे तत्काल बढ़ाना आवश्यक है। विज्ञापनभारतीय नगरों में भूतल ओजोन प्रदूषण के चिंताजनक आंकड़े सामने आए हैं।

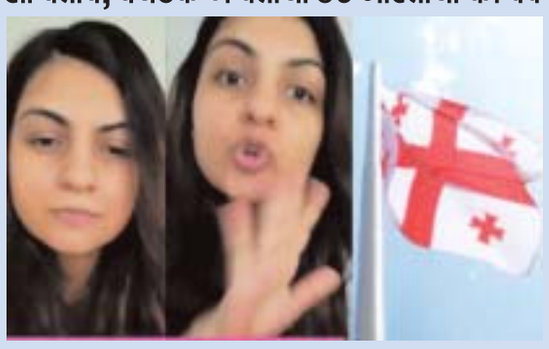

खाना-शौचालय कुछ नहीं, जॉर्जिया में मवेशी सा बर्ताव; पर्यटक ने बताया 56 भारतीयों का दर्द

जॉर्जिया,एजेंसी। जॉर्जिया में हालात बेहद दयनीय हैं। ये कहना है एक भारतीय महिला पर्यटक का। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कड़वे अनुभवों को साझा करते हुए कहा है कि इस देश में न तो खाने-पीने के सामान उपलब्ध हो रहे हैं न शौचालय जैसी बुनियादी चीजें नसीब हो रही हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखे अपने इस पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्रालय का आधिकारिक हैंडल, विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर, भारतीय दूतावास, पीएम मोदी के हाथों सम्मानित हो चुकीं सेलिब्रिटी कर्ली टेल्स समेत कई लोगों को टैग किया है। उन्होंने कहा है कि हाड़ कंपाने वाले सर्द मौसम में उन्हें पांच घंटे तक बिना खाने और शौचालय के इंतजार कराया गया।

56 भारतीयों को सीमा पर अमानवीय हालात झेलने पड़े: भारतीय पर्यटकों के साथ अपमानजनक व्यवहार के इस मामले में इंस्टाग्राम यूजर ध्रुवी पटेल ने आरोप लगाया कि 56 भारतीय यात्रियों को आर्मेनिया से जॉर्जिया प्रवेश करने के दौरान सीमा पर अमानवीय हालात झेलने पड़े। उन्होंने कहा कि वैध ई-वीजा और दस्तावेज दिखाने के बावजूद अधिकारियों ने उन्हें सादाखलो बॉर्डर पर कई घंटें तक रोके रखा।

जमा देने वाली ठंड में बिना भोजन और शौचालय के इंतजार : पटेल के मुताबिक भारतीय समूह को 5 घंटे से अधिक वक्त जमा देने वाली ठंड में बिना भोजन और शौचालय के इंतजार कराया गया। अधिकारियों ने पासपोर्ट दो घंटे से ज्यादा जब्त रखे। यात्रियों को सड़क किनारे मवेशियों की तरह बैठा कर रखा गया।

अधिकारियों ने वीजा को गलत बताकर अपमानजनक व्यवहार किया : जॉर्जिया की इस चिंताजनक घटना को लेकर भारतीय महिला ध्रुवी यह भी आरोप लगाया कि अधिकारियों ने यात्रियों के वीडियो इस तरीके से रिकॉर्ड किए जैसा सलूक अपराधियों के साथ किया जाता है। जब पर्यटकों के समूह में शामिल किसी ने वीडियो बनाने की पहल की तो उन्हें रिकॉर्डिंग करने से रोका गया। उन्होंने कहा, दस्तावेजों की ठीक से जांच किए बिना वीजा को गलत कहकर अपमानजनक व्यवहार किया गया।

नाइजीरियाई सेना ने बोर्नो और आदामावा में 11 आईएसडब्ल्यूएपी आतंकियों को ढेर किया

माइडुगुरी (नाइजीरिया)एजेंसी। नाइजीरियाई सेना ने उत्तर-पूर्वी राज्यों बोर्नो और आदामावा में चलाए गए दो अलग-अलग अभियानों में इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रॉविन्स (ढ्वस्ढ्ढक्क) के कम से कम 11 आतंकियों को मार गिराया। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। संयुक्त कार्यबल के बयान के अनुसार, पहली मुठभेड़ 15 सितंबर को बोर्नो राज्य के बगा-क्रॉस कौवा रोड पर गारिन गीवा इलाके में हुई। गश्ती दल पर घात लगाकर हमला करने वाले आतंकियों ने पहले आईईडी विस्फोट किया और फिर गोलीबारी शुरू की। जवाबी कार्रवाई में सैनिकों ने आठ आतंकियों को ढेर किया, जिनमें दो वरिष्ठ कमांडर भी शामिल थे। मौके से 14 मोटरसाइकिल, असॉल्ट राइफलें, भारी मात्रा में गोला-बारूद और अन्य सामग्री बरामद हुई। दूसरी कार्रवाई आदमावा राज्य के मडागली जिले के उम्बो गांव में स्थानीय सतर्क बलों और शिकारी दस्तों की मदद से की गई। इसमें तीन आतंकी मारे गए और उनके पास से हथियार व संचार उपकरण बरामद हुए। सेना ने बताया कि इन अभियानों में किसी भी सैनिक को कोई नुकसान नहीं हुआ। बयान में कहा गया कि ये कार्रवाई आतंकी नेटवर्क को ध्वस्त करने और हिंसा प्रभावित समुदायों में शांति बहाल करने के व्यापक अभियान का हिस्सा है। गौरतलब है कि गुट ढ्वस्ढ्ढक्कसे जूझ रहा है।

बचाव पक्ष का तर्क- हसीना ने बांग्लादेश में बीडीआर विद्रोह को कुशलतापूर्वक संभाला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में जुलाई विद्रोह से संबंधित मानवता के विरुद्ध अपराध के मामले में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 में जिरह के दौरान बचाव पक्ष के वकील अमीर हुसैन ने तर्क दिया कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बीडीआर विद्रोह को कुशलतापूर्वक संभाला और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ मुकदमा सुनिश्चित किया। शेख हसीना और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल का प्रतिनिधित्व कर रहे सरकारी बचाव पक्ष के वकील ने आरोप लगाया कि अमर देश के संपादक महमूदुर रहमान ने पूर्व प्रधानमंत्री और शेख फजले नूर तपोश को 2009 के बांग्लादेश राइफल्स (बीडीआर) विद्रोह और नरसंहार में व्यक्तिगत प्रतिशोध के कारण फंसाया था। द डेली स्टार के अनुसार सरकारी वकील हुसैन ने महमूदुर के इस दावे को खारिज कर दिया कि हसीना ने सेना के प्रति नाराजगी जताई और उसे कमजोर किया। उन्होंने कहा कि हसीना ने सेना को मजबूत किया। इस दौरान महमूदुर ने जवाब दिया, यह सच नहीं है। इससे पहले महमूदुर ने सोमवार को इस न्यायाधिकरण में अभियोजन पक्ष के 46वें गवाह के रूप में अपने बयान दर्ज कराए।

पूर्व पुलिस महानिरीक्षक चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून भी इस मामले में आरोपित हैं। वह अब सरकारी गवाह बन गए हैं।

गवाह महमूदुर ने बयानों में आरोप लगाया कि पदभार ग्रहण करने के बाद हसीना का पहला कदम सेना को कमजोर करना था। बीडीआर नरसंहार उनके कार्यकाल के दो महीने के भीतर ही रचा गया। इसमें शेख परिवार के सदस्यों विशेष रूप से पूर्व सांसद तपोश की संलिप्तता थी। बचाव पक्ष के वकील ने यह भी कहा कि महमूदुर का हसीना की तुलना हिटलर से करना उचित नहीं। गवाही पूरी होने के बाद महमूदुर ने अदालत कक्ष के बाहर कहा, शेख हसीना भी हिटलर का एक छोटा संस्करण थीं। उनके पास हिटलर जितनी शक्ति नहीं थी, फिर भी मानसिकता में वे उससे आगे थीं। यहां तक कि हिटलर ने भी हत्याओं के बाद शवों को गायब करने का आदेश नहीं दिया था। उन्होंने दोहराया कि हसीना ने खुद प्रदर्शनकारियों को मारने और उनके शवों को गायब करने का आदेश दिया था। जुलाई विद्रोह के दौरान अत्याचारों पर संयुक्त राष्ट्र की एक तथ्य-खोजी रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि रिपोर्ट ने तत्कालीन प्रधानमंत्री हसीना, पूर्व गृहमंत्री कमाल और अवामी लीग के महासचिव ओबैदुल कादर के सीधे आदेशों के तहत सामूहिक हत्याओं और मानवता के खिलाफ अपराधों की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि देश का वरिष्ठ नागरिक होने के नाते न्याय स्थापित करने में न्यायाधिकरण को पूर्ण सहयोग प्रदान करना उनका कर्तव्य है और इसी सहयोग के तहत वह गवाही दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश राइफल्स (अर्धसैनिक बल) के सैनिकों ने फरवरी, 2009 में ढाका में विद्रोह किया था। इसे बीडीआर विद्रोह, बीडीआर नरसंहार, पिलखाना नरसंहार या पिलखाना त्रासदी के नाम से जाना जाता है। विद्रोही सैनिकों ने अपने कमांडिंग अधिकारियों के खिलाफ हथियार उठाए थे। इसे बांग्लादेश के इतिहास के सबसे खूनी सैन्य तख्तापलट में गिना जाता है। इसमें 57 सैन्य अधिकारी और अन्य लोग मारे गए थे। विद्रोह के बाद सरकार ने इस बल का नाम बदलकर दिया था।

बलोचिस्तान के शिरानी जिले में थानों पर आतंकी हमला, लेवी अधिकारी और सिपाही की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान के शेरानी जिले में आतंकवादियों ने पुलिस और अर्ध सैनिक बल लेवी के थानों पर हमला किया। इस हमले में एक पुलिस कांस्टेबल और एक लेवी अधिकारी मारा गया। छह से ज्यादा घायल हो गए। द न्यूज अखबार की रिपोर्ट के अनुसार शेरानी के उपायुक्त हजरत वली काकर ने बुधवार को बताया कि हमले में थानों की संचार प्रणाली ध्वस्त हो गई। घायलों को झोब सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। काकर ने कहा कि लेवी का एक कर्मी लापता है और दो अन्य घायल हैं। लापता कर्मी की तलाश के लिए अभियान जारी है। इस बीच डीएसपी सज्जाद खान ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू के मिरयान थाना और माज़ांग चौकी पर आतंकी हमले को विफल कर दिया गया। इस दौरान तीन आतंकवादी मारे गए और चार अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घायल आतंकी भागने में सफल रहे। यह हमले बलोचिस्तान के केच जिले के शेरबांडी में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) हमले में एक कैप्टन सहित पांच पाकिस्तानी सेना के जवानों के मारे जाने के बाद हुए हैं। इससे पहले सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मरवत जिले में 31 आतंकवादियों को मार गिराया था। पुलिस और सैन्य अधिकारियों का कहना है कि 2021 में तालिबान शासकों के अफगानिस्तान लौटने के बाद से पाकिस्तानव में सीमा पार आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कई बार कहा है कि अफगानिस्तान को आतंकवादियों का साथ देने या पाकिस्तान के साथ खड़े होने के बीच एक का चुनाव करना होगा। शहबाज की इस चेतावनी का अब तक कोई असर नहीं पड़ा है। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज की एक रिपोर्ट के अनुसार अगस्त में देश में आतंकवादी हमलों में जुलाई की तुलना में 74 प्रतिशत वृद्धि हुई है। इस्लामाबाद स्थित इस थिंक टैंक ने इस महीने के दौरान आतंकवादी हमलों में 194 मौतें दर्ज की हैं।

इजराइली सुरक्षा बल गाजा शहर में बरपा रहे कहर, हमास के ठिकानों में भीषण बमबारी, तीन लाख लोगों ने घर छोड़ा

गाजा पट्टी, एजेंसी। इज़राइली सेना ने गाजा शहर में जमीनी हमला और तेज कर दिया। इजराइल सुरक्षा बलों (आईडीएफ) की दो डिवीजन ने शहर में कहर बरपा दिया है। हमास के ठिकानों में भीषण बमबारी की जा रही है। इस अभियान में एक-दो दिन में तीसरी डिवीजन के भी साथ आने की उम्मीद है। इस दौरान 3,00,000 (तीन लाख) लोग गाजा शहर छोड़ चुके हैं। अनुमान है कि शहर में अभी भी 7,00,000 (सात लाख) नागरिक हैं। अमेरिका के एबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल-गाजा सीमा से मंगलवार को ली गई तस्वीरों में गाजा शहर के ऊपर धुएं का गुबार दिखा।इस बीच इजराइल के विदेशमंत्री गिदोन साआर ने मंगलवार को एक पत्र में यूरोपीय संघ के साथ इजराइल के समझौते में व्यापार संबंधी प्रावधानों को निलंबित करने के यूरोपीय आयोग के प्रस्ताव को अनुपातहीन बताया। यूरोपीय संघ के आयुक्तों के समूह ने बुधवार को यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के इस प्रस्ताव पर चर्चा करने के लिए एक बैठक आहूत की है। लेयेन ने व्यापार संबंधी प्रावधानों को निलंबित करके इजराइल पर राजनीतिक दबाव डालने का प्रस्ताव किया है। साआर ने पत्र में कहा, यह अभूतपूर्व प्रस्ताव, जिसे पहले कभी किसी अन्य देश के खिलाफ लागू नहीं किया गया, इजराइल को नुकसान पहुंचाने का स्पष्ट प्रयास है, जबकि हम अभी भी सात अक्टूबर के आतंकवादी हमले के बाद थोपे गए युद्ध से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि इजराइल संप्रभु राष्ट्र है और जब तक इजराइल की सुरक्षा दांव पर है, हम धमकियों के आगे नहीं झुकेंगे। इस प्रस्ताव पर अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो ने स्पष्ट रूप से कहा है कि इस तरह की पहल हमास को मजबूत करती है। आईडीएफ ने कहा कि लगभग 3,00,000 लोग गाजा शहर छोड़ चुके हैं। अनुमान है कि शहर में अभी भी 7,00,000 नागरिक हैं । उधर, बंधक और लापता परिवार फोरम मुख्यालय ने मंगलवार को विज्ञप्ति में कहा कि बंधक परिवार प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के यरुशलम स्थित आवास के बाहर डेरा डालेंगे। इस दौरान प्रदर्शन किया जाएगा। इन परिवारों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का उनके समर्थन के लिए आभार जताते हुए नेतन्याहू से समझौता कराने और युद्ध समाप्त करवाने का आग्रह किया है। विज्ञप्ति में कहा गया है, हमारे प्रधानमंत्री नेतन्याहू बंधकों को बचाने और इस युद्ध को समाप्त करने की हमारी पुकार नहीं सुन रहे हैं लेकिन वह आपकी बात सुनेंगे! उन्हें एक ऐसे समझौते के लिए बातचीत की मेज पर लाएं जिससे सभी वापस आ सकें! आईडीएफ प्रवक्ता एफी डेफ्रिन ने मंगलवार को एक ब्रीफिंग के दौरान में कहा, हमारा अनुमान है कि गाजा शहर पर नियंत्रण पाने में कुछ महीने लगेंगे और शहर को बुनियादी ढांचे से मुक्त करने में कुछ और महीने या उससे भी अधिक समय लगेका। उन्होंने कहा कि मंगलवार रात को सुरक्षा बलों ने गाजा शहर में जमीनी हमला तेज कर दिया।

सीधी में 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान'' का शुभारंभ

महिलाओं का स्वास्थ्य और सशक्तिकरण परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार है: सांसद

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में 'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान' का शुभारंभ बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेमरिया एवं चुरहट सहित जिला चिकित्सालय सीधी में किया गया। इस अवसर पर सेमरिया में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, जिला चिकित्सालय सीधी में समाजसेवी देव कुमार सिंह चौहान एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के धार से दिए गए शुभारंभ भाषण के लाइव प्रसारण से हुई। इसके पश्चात विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदैव महिलाओं के हितों को सर्वोपरि रखते आए हैं। उज्ज्वला योजना से लेकर सशक्तिकरण की अन्य योजनाओं तक, उन्होंने महिलाओं की बेहतरी के लिए ठोस कदम उठाए हैं। आज धार से प्रारंभ हुआ यह अभियान महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य एवं पोषण की दिशा में नई पहल है। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं का स्वास्थ्य और सशक्तिकरण परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार है।

अभियान का उद्देश्य महिलाओं में स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी चुनौतियों की पहचान कर उन्हें समय पर स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराना है। इसके अंतर्गत मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, किशोरियों में पोषण और एनीमिया के प्रति जागरूकता, गैर-संचारी रोग जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह एवं कैंसर की स्क्रीनिंग, तथा क्षय और कुष्ठ रोग जैसे संचारी रोगों की जांच शामिल है। सांसद ने उपस्थित अधिकारियों को अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं। इस अवसर पर उन्होंने जिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चुरहट का निरीक्षण अवलोकन किया। मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं के विषय में जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें फ्लों का वितरण भी किया।

कलेक्टर ने रक्तदान कर दिया प्रेरणादायी संदेश: सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत जिला चिकित्सालय सीधी में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने स्वयं रक्तदान कर किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है, एक यूनिट रक्त किसी की जीवन-रेखा बन सकता है। हमें समाज में रक्तदान की आदत विकसित करनी चाहिए ताकि जरूरत पड़ने पर किसी भी मरीज का जीवन बचाया जा सके। उन्होंने युवाओं और समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे रक्तदान जैसे पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लें और इसे सेवा एवं जीवन रक्षा का अभियान बनाएं। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य पूजा सिंह कुशराम, पार्षद आनंद परियानी, केके तिवारी, इंद्र शरण सिंह चौहान, कृष्णकांत द्विवेदी, विश्वबंधुधर द्विवेदी, डॉ देवेंद्र त्रिपाठी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बबीता खरे, सिविल सर्जन डॉ एसबी खरे सहित गणमान्य नागरिक, प्रशासनिक अधिकारी एवं चिकित्सक उपस्थित रहे।

जनपद पंचायत जवा में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनपद पंचायत जवा में 17 सितंबर 2025 से 2 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का शुभारंभ बड़े उत्साह और जनभागीदारी के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रनू व्ही. डी. पाण्डेय (अध्यक्ष, जनपद पंचायत जवा) उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी व्ही. डी. पाण्डेय तथा सुलभ सिंह पुसाम (मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत जवा) शामिल हुए।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत जवा की सरपंच प्रतिभा सिंह, एपीओ नागेंद्र सिंह, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी अमित पाण्डेय, एसबीएम बीसी जया तिवारी, बीपीओ जितेंद्र सिंह बघेल, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि रनू व्ही. डी. पाण्डेय ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वच्छता केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह समाज की मूलभूत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यदि हम अपने घर और गांव को स्वच्छ रखें, तो स्वास्थ्य, पर्यावरण और जीवन की गुणवत्ता में स्वत: सुधार होगा।

विशिष्ट अतिथि व्ही. डी. पाण्डेय ने कहा कि स्वच्छता एक जीवन शैली है, इसे केवल पखवाड़े तक सीमित न रखते हुए निरंतर अपनाना होगा। उन्होंने ग्रामीणों से सामूहिक प्रयास कर स्वच्छ और स्वस्थ ग्राम बनाने का आह्वान किया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुलभ सिंह पुसाम ने कहा कि प्रशासन और पंचायत मिलकर इस पखवाड़े में कई कार्यक्रम आयोजित करेंगे, जिनमें सार्वजनिक स्थलों की सफाई, प्लास्टिक मुक्त अभियान, पौधारोपण, स्वच्छता रैलियाँ एवं जागरूकता शिविर प्रमुख हैं।

एपीओ नागेंद्र सिंह, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी अमित पाण्डेय, बीपीओ जितेंद्र सिंह बघेल एवं एसबीएम बीसी जया तिवारी ने भी कार्यक्रम में अपने विचार साझा करते हुए स्वच्छता को जन-आंदोलन के रूप में अपनाने पर बल दिया।

अवैध रेत से भरा ट्रैक्टर जब्त, ड्राइवर पुलिस को देखकर भागा; मयार नदी निकाली थी रेत

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में रेत का अवैध उत्खनन और परिवहन जारी है। माड़ा पुलिस ने गहीदार गांव के पास मयार नदी से अवैध रेत ले जा रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है। पुलिस को देखकर चालक मौके से फरार हो गया। जब्त रेत और ट्रैक्टर की अनुमानित कीमत चार लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। थाना प्रभारी शिवपूजन मिश्रा ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि ग्राम गहीदार में मयार नदी से ट्रैक्टर्स से अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर परिवहन किया जा रहा है। इस सूचना के आधार पर प्रधान आरक्षक धीरेंद्र पटेल, बरेंद्र बिंद और आरक्षक राजकुमार सिंह की एक टीम गठित कर मौके पर भेजी गई।

ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर भागा: टीम जब मौके पर पहुंची, तो उन्हें नीले-सफेद रंग का एक बिना नंबर का ट्रैक्टर आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस को देखते ही ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर भाग गया। पुलिस ने अवैध रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर लिया।

पुलिस ने खनिज अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। जब्त ट्रैक्टर और रेत की बाजार कीमत लगभग चार लाख रुपए है। जिले के बैढ़न और जियावन थाना क्षेत्रों में भी रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि इन शिकायतों पर पुलिस और खनिज विभाग एक दो कार्रवाई ही करता है।

एनीमिया, टीबी और सिकल सेल की जांच की, महिलाओं-बच्चों का हेल्थ चेकअप किया; 2 अक्टूबर तक गांव-गांव पहुंचेगी टीम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के वनांचल क्षेत्र कुशमी में बुधवार को %स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार% अभियान के तहत एक विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिलाओं के ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का परीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त, एनीमिया, टीबी और सिकल सेल से संबंधित जांचें भी की गईं। गर्भवती महिलाओं का नियमित एएनसी (एंटीनेटल केयर) चेकअप किया गया, जबकि बच्चों को टीकाकरण सहित अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं।

यह शिविर कोडार आयुष्मान आरोग्य केंद्र, गुडुआधार सहित 28 उप स्वास्थ्य केंद्रों पर एक साथ लगा, जिसमें सैकड़ों महिलाओं और बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

स्थानीय ने इस पहल की तारीफ की: स्थानीय राम बहादुर प्रजापति, राम सुशील बैगा, हितरातम बैगा, सुंदर कोल, राम प्रताप कोल, हरि शरण तिवारी ने इस पहल का स्वागत किया है। इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि वनांचल जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सराहनीय पहल है। इससे महिलाओं और बच्चों को समय पर उपचार मिलेगा और गंभीर बीमारियों से बचाव संभव हो सकेगा।

17 सितंबर तक चलेगा अभियान: यह विशेष अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक जारी रहेगा। इस दौरान कुसमी ब्लॉक की मेडिकल टीमें गांव-गांव जाकर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करेंगी। बीएमओ और बीपीएम ने कई उप स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण भी किया, ताकि व्यवस्थाओं में कोई कमी न रहे। शिविर का शुभारंभ खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुधीर कुमार गुप्ता की देखरेख में हुआ। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच सीता सिंह, प्रभारी डॉक्टर सृष्टि कुशवाहा, बीपीएम अरविंद द्विवेदी, सीडीपीओ माया गोस्वामी, सीएचओ नम्रता सेन, एमटीएस सुभाष सोनी, एएनएम प्रियंका सिंह और आशा कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। बड़ी संख्या में ग्रामीण स्वास्थ्य जांच और उपचार के लिए पहुंचे।

जनपद शिक्षा केन्द्र त्योंथर में हुए स्कूल ग्रांट राशि घोटाले की नहीं हो रही जांच

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जनपद शिक्षा केन्द्र (बीआरसी कार्यालय) त्योंथर में हुए ग्रांट राशि के घोटाले की शिकायत पर आरटीआई एक्टिविस्ट अतुल शुक्ला द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी रीवा और सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की गई थी, लेकिन उसकी जांच अभी तक नहीं की गई है। शिकायतकर्ता ने बताया कि जनपद शिक्षा केन्द्र जवा और त्योंथर दोनों में बड़े पैमाने पर स्कूल ग्रांट राशि में घोटाला जारी है। जितनी राशि शासन से भेजी जाती है, उसका 25 से 30 प्रतिशत कमीशन की भेंट चढ़ जाता है। इस वजह से स्कूल की मरम्मत, सफाई एवं अन्य स्टेशनरी का कार्य नहीं हो पाता है।

उन्होंने कहा कि उन्होंने एमआरसी रजनीश तिवारी के स्कूल ग्रांट राशि घोटाले को लेकर सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत की थी, लेकिन उक्त शिकायत को सीएम हेल्पलाइन प्रभारी अशोक मिश्रा द्वारा बंद कर दिया गया। पहली बार 15 मई 2025 को शिकायत की गई थी, जिसका क्रमांक-32351694 है। शिकायत बंद होने के बाद दुबारा 21 अगस्त 2025 को की गई, जिसका क्रमांक 34008569 है।

आरोप है कि स्कूलों में ग्रांट की राशि तो निकाल ली जाती है, लेकिन उस राशि से कोई कार्य नहीं कराया जाता। उक्त राशि कार्यालय की साठगांठ से फर्जी फर्म बनाकर निकाली जाती है। इसकी जानकारी जिला शिक्षा अधिकारी को भी दी गई है, लेकिन त्योंथर जनपद शिक्षा केन्द्र में बैठे दबंग कर्मचारी के आगे किसी की हिम्मत नहीं होती कि कोई जांच या कार्रवाई कर सके।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, रजनीश तिवारी जो एमआरसी पद पर हैं, उनका कार्य दिव्यांग बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करना है, न कि वित्तीय कार्य करने का अधिकार। फिर भी, वे जिला शिक्षा अधिकारी के संरक्षण में वित्तीय कार्य कर रहे हैं। उनके पास मेकर आईडी और पासवर्ड भी है, जिससे वे वित्तीय कार्य करते हैं।

भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के प्रथम शिल्पकार, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष बोलीं- इनकी प्रेरणा से समाज में रचनात्मकता का भाव बना रहेगा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में बुधवार को भगवान विश्वकर्मा जयंती मनाई गई। मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। यह आयोजन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक चला। कार्यक्रम में विश्वकर्मा महासभा के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। महासभा से जुड़े मुनिराज विश्वकर्मा, बबलू विश्वकर्मा और स्टेट मीडिया प्रभारी पुष्पेंद्र विश्वकर्मा ने समाज को संगठित रहने का संदेश दिया। विश्वकर्मा महासभा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी पुष्पेंद्र विश्वकर्मा ने बताया कि दोपहर 1:00 से पूरे शहर में रैली निकाली गई है। 1 घंटे की रैली के बाद जिले के मानस भवन में भगवान विश्वकर्मा के विश्व निर्माण में उनकी क्या भूमिका रही है और विश्वकर्मा समाज के लोग उन्हें क्यों अपना आराध्य मानते हैं, इसके बारे में बताया गया है। इसके बाद भगवान विश्वकर्मा की मूर्ति पर माल्यार्पण करके सभी को मिष्ठान वितरित किया गया।

भगवान विश्वकर्मा सृष्टि के प्रथम शिल्पकार: इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष पूनम सोनी भी मौजूद थीं। उन्होंने भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का प्रथम शिल्पकार बताया और कहा कि उनकी प्रेरणा से समाज में नवाचार और रचनात्मकता का भाव बना रहेगा। पूरे जिले से सैकड़ों लोगों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए लोगों ने मानस भवन पहुंचकर सामूहिक पूजा की। यह रैली मानस भवन से शुरू होकर सम्राट चौराहा, गांधी चौराहा और शहर के अन्य प्रमुख मार्गों से गुजरी। रैली में युवाओं और श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर विशाल रक्तदान शिविर

डॉ. नंदिता पाठक ने किया रक्तदान, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की रही विशेष उपस्थिति

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में छतरपुर जिले में सेवा पखवाड़े के तहत एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध समाजसेवी एवं शिक्षाविद् डॉ. नंदिता पाठक जी ने स्वयं रक्तदान कर समाज को प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा मानव धर्म है, क्योंकि एक यूनिट रक्त से कई जीवन बचाए जा सकते हैं।

वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति: इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी छतरपुर जिला अध्यक्ष चंद्रभान सिंह, सागर संभाग प्रभारी मुकेश सिंह चतुर्वेदी, तथा जिला महामंत्री पप्पू चौरसिया भी उपस्थित रहे। नेताओं ने संयुक्त रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा और लोककल्याणकारी कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि मोदी जी का संपूर्ण जीवन समाजहित और राष्ट्रहित को समर्पित रहा है।

मोदी जी के विचारों से प्रेरित सेवा भावना: जिला अध्यक्ष चंदभान सिंह गौतम जी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के जन्मदिन को सेवा पखवाड़े के रूप में मनाना उनके जीवन दर्शन को साकार करने जैसा है। रक्तदान, वृक्षारोपण और समाजसेवा जैसे कार्य ही सच्ची श्रद्धांजलि और सम्मान हैं।

वहीं संभाग प्रभारी मुकेश सिंह चतुर्वेदी जी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और रक्तदान जैसे कार्य उनकी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का परिचय कराते हैं।

कमिश्नर एवं आईजी ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों का किया अवलोकन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आगामी 19 सितम्बर को एक दिवसीय प्रवास पर सिहावल विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत बहरी आएंगे। अपने प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री जिले में विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे तथा हितग्राहियों को हितलाभ वितरण भी करेंगे।

मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों को लेकर कमिश्नर रीवा संभाग बी.एस. जामोद एवं पुलिस महानिरीक्षक गौरव राजपूत ने बहरी पहुँचकर कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंच की व्यवस्था, साउंड सिस्टम, आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

कमिश्नर जामोद ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थलों पर सुरक्षा एवं वाहनों की पार्किंग की समुचित व्यवस्था की जाए। मंच पर केवल सूचीबद्ध विशिष्ट व्यक्तियों को ही प्रवेश दिया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आमजन शामिल होंगे, अत: उनके लिए बैठने, पेयजल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्थित तैयारी सुनिश्चित करें। साथ ही वर्षा ऋतु को ध्यान में रखकर सभी व्यवस्थाएँ समयपूर्व पूर्ण की जाएँ।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने मुख्यमंत्री के दौरे हेतु की गई व्यवस्थाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव, उपखंड अधिकारी सिहावल प्रिया पाठक, मझौली एसडीएम आर.पी. त्रिपाठी, चुरहट एसडीएम शैलेश द्विवेदी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री 19 सितंबर को सीधी आएंगे, बहरी में सोन नदी पर बने पुल का उद्घाटन करेंगे; कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल देखा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 सितंबर को सीधी जिले के बहरी तहसील का दौरा करेंगे। उनके आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बहरी बाजार से करीब 500 मीटर दूर अमन कॉन्वेंट स्कूल के परिसर में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोन नदी पर बने बहुप्रतीक्षित पुल का उद्घाटन करेंगे। पुल सिंगरौली से बहरी होते हुए उत्तरप्रदेश को जोड़ता है।

ये पुल दो दशकों से चुनाव का एक प्रमुख मुद्दा रहा है। यहां तक की यह पुल का निर्माण करीब 1 साल पहले पूरा हो चुका है। लेकिन अभी तक इस पुल के उद्घाटन को लेकर लगातार राजनीति चल रही थी। पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने भी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए थे कि पुल बनने के बाद भी इसका उद्घाटन नहीं हो रहा है।

सीएम जिले को कई महत्वपूर्ण विकास योजनाओं की सौगात भी देंगे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री स्वच्छता सेवा पखवाड़ा के तहत स्वच्छता का संदेश देंगे और स्वच्छ और स्वस्थ समाज निर्माण में जनता से सहयोग की अपील करेंगे।

अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया: बुधवार को कार्यक्रम स्थल के निरीक्षण के दौरान सीधी कलेक्टर स्वरोचिस सोमवंशी, पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी, सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक और सीएमओ मिनी अग्रवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने मंच, बैठक व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन और साफ-सफाई सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने कार्यक्रम की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के संबंध में थाना प्रभारी बहरी राजेश पांडे को विशेष निर्देश दिए हैं। जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर प्रशासन और नगर पंचायत पूरी तरह से तैयारियों में जुटा हुआ है।

पहली आवाज

अपनी जड़ों से बगावत करने वाले पौधे, अक्सर सूख जाया करते हैं। जो समाज अपने इतिहास, अपने बलिदानियों को भूल जाता है, उसका भविष्य कभी उज्ज्वल नहीं हो सकता। स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान का स्मरण हमेशा नई पीढ़ी को गौरवान्वित एवं प्रेरित करता है। हाल ही में वीरभूमि हिमाचल प्रदेश की विधानसभा में एक गौरवपूर्ण क्षण तब आया जब वीर राम सिंह पठानिया की शौर्यगाथा सदन में गूंजी। यह एक सुखद अनुभव था कि जब सदन में वीर राम सिंह पठानिया के त्याग और वीरता के साथ-साथ उन्हें स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा दिलवाने की मांग पर चर्चा हुई, तो नेताओं ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर एक स्वर में उनके प्रति श्रद्धा ज्ञापित की और इस मांग के समर्थन में आवाज बुलंद की। विधानसभा सत्र के दौरान हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि वजीर राम सिंह पठानिया को स्वतंत्रता सेनानी घोषित करने के लिए सदन में संकल्प पारित करके केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा। इससे पहले विधायक भवानी सिंह पठानिया ने शून्यकाल में वजीर राम सिंह पठानिया को स्वतंत्रता सेनानी घोषित करने की मांग उठाई, तो शाहपुर के कांग्रेस विधायक केवल सिंह पठानिया ने 'खूब लड़ेया किल्ला पठानिया' गीत के बोल गुनगुनाकर भवानी पठानिया की मांग का खुलकर समर्थन किया।

संपादकीय

ज्वालामुखी से कांग्रेस विधायक संजय रतन ने भी जोर देकर इस मांग का समर्थन किया कि वीर राम सिंह पठानिया का बलिदान हमें आज भी प्रेरित करता है। उन्हें 'स्वतंत्रता सेनानी' का दर्जा दिलवाना उनके बलिदान के प्रति वास्तविक श्रद्धांजलि होगी। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा भी कहा कि जिन महान विभूतियों ने अंग्रेजों से युद्ध लड़ा, ऐसे ही वजीर राम सिंह पठानिया को हम श्रद्धांजलि देते हैं और उनके सम्मान के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में कांगड़ा के रैहन में वीर राम सिंह पठानिया के अद्भुत शौर्य एवं अमूल्य बलिदान को याद किया था। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया था कि 1857 में भारत के स्वतंत्रता सेनानियों ने प्रथम स्वतंत्रता संग्राम का बिगुल बजाया था। मगर उससे भी एक दशक पूर्व राम सिंह पठानिया ने वीरभूमि हिमाचल प्रदेश की धरा से अंग्रेजों को भारत से निकालने की शक्तिशाली हुंकार भर दी थी। कम आयु में ही वीर राम सिंह पठानिया का वह साहसिक संघर्ष उनकी दूरदर्शिता और अदम्य साहस का प्रमाण है। राम सिंह पठानिया ने अपने अद्भुत साहस और शौर्य से अंग्रेजों की नींव हिला दी थी। मात्र 24 वर्ष की अल्पायु में ही उन्होंने विदेशी हुकूमत के खिलाफ एक ऐसा प्रचंड अभियान छेड़ा, जिसकी गूंज सुदूर ब्रिटेन तक सुनाई दी। राम सिंह पठानिया ने उस समय की गुलामी और अन्याय के विरुद्ध अपनी तलवार उठाई, जब अधिकांश रियासतें अंग्रेजों के सामने घुटने टेक चुकी थीं। उनका संघर्ष केवल एक रियासत की स्वाधीनता तक सीमित नहीं था। इसके माध्यम से तो उन्होंने संपूर्ण भारत की स्वतंत्रता के लिए एक चिंगारी भड़का दी थी। विडंबना है कि इसके बावजूद उनको अब तक स्वतंत्रता सेनानी का दर्जा नहीं मिल पाया है।

पखवाड़ा भर की चांदनी, फिर अंधेरी रात

अशोक गौतम

वे हमारे मोहल्ले की हर विनाशात्मक समिति के आमरण अध्यक्ष हैं। इसलिए वे ही हमारे मोहल्ले की हिंदी शॉर्ट टर्म विकास समिति के अध्यक्ष भी हैं। उनके होते मोहल्ले की किसी भी समिति के दूसरे अध्यक्ष की कल्पना करना पाप नहीं, जघन्य पाप है। उनका हर भविष्य के होने वाले अध्यक्ष को खुला चैलेंज है कि वे शरीर में रहकर ही नहीं, अशरीरी होने के बाद भी मोहल्ले की हर समिति के अध्यक्ष का भार मजे से ऊपर से भी उठाते रहेंगे।

बीसियों मोहल्ला समितियों के अध्यक्ष का दायित्व कुशलतापूर्वक निभाने वाले हिंदी पखवाड़े की अल्पकालीन हिंदी विकास समिति के अध्यक्ष होने का दायित्व भी निभाने के चलते कल उनका फोन आया, 'और हिंदी प्रेमी कैसे हो?'

'आपकी कृपा बरसने का इंतजार कर रहा था महोदय!' हिंदी पखवाड़े में तो कम से कम हिंदी हो ही जानी चाहिए।

'तो लो बरस गई मेरी कृपा', वे फोन पर ही ऐसे हंसे जैसे पंद्रह दिन की चांदनी में फिर अंधेरे साल वाली पगली हिंदी उन्मादिनी मंच मंच अंग्रेजी पर गुर्राती अपने पर गर्वाते गर्वाते हसंती रहती है।

'तुम्हें साल भर से जिस हिंदी पखवाड़े का बेसब्री से इंतजार रहता है, लो, वह हिंदी पखवाड़ा आ गया। मन की गहराइयों से मानसिक बधाई!' दूसरी ओर से वे भी हिंदीमय हुए। मतलब, हिंदी प्रेमी से हिंदी प्रेमी मिले कर कर हिंदी में बात।

'मतलब?' मैं समझते हुए भी नासमझ बना रहा और पिछले साल हिंदी पखवाड़े में पढ़ी कविता कहां रखी थी, दिमाग पर जोर डालता उसे ढूंढता रहा। वैसे ढूंढ तो मैं उसे हिंदी पखवाड़ा शुरू होने से पहले ही रहा था। पर वह पता नहीं मेरे साथ क्यों चोर सिपाही का खेल खेल रही थी, 'महोदय, मैं तो सोचा था कि अबके आप मुझे भूल जाएंगे?'

'पखवाड़े भर हिंदी विनाश समिति वाले किसी को भी नहीं भूलते। न जिंदा हिंदी लेखकों को न दिवंगत लेखकों को। तुम्हें भूलकर हिंदी से जूते खाने हैं क्या?' 'ये तो आपकी सदाशयता है महोदय! वर्ना हम टुच्चे लेखक किस काम के।'

'तो ऐसा है कि कल हम मोहल्ले के कम्युनिटी हाल में हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत एक दिन हिंदी के नाम का आयोजन कर रहे हैं।'

'तो?' मेरे भीतर बासी कविता ताजी हो कुलबुलाने लगी।

'तो क्या बंधु! तुम तो ऐसे सवाल कर रहे हो जैसे अंग्रेजी के पैदाइशी समर्थक हो। कल ठीक दस बजे कार्यक्रम शुरू हो जाएगा। गेस्ट ऑफ ऑनर के लिए हिंदी के नामचीन दिवंगत लेखक खास तौर पर आमंत्रित किए गए हैं। इस अवसर पर हम उन्हें दिवंगत हिंदी सेवी सम्मान से पुरस्कृत कर उपकृत होंगे। और वे अपने पड़ोस के चौबे जी हैं न! वे राज हिंदी! खाज हिंदी! विषय पर अपना पिछले साल वाला संशोधित मौलिक शोध पत्र पढ़ेंगे। उसके बाद उनके शोध पत्र पर चर्चा होगी। उसके बाद लंच होगा। लंच के बाद हिंदी की प्रशंसा में कविता पाठ चलेगा। तुम तो जानते ही हो कि किसी की जयंती हो या पुण्यतिथि। कविता के बिना कोई भी जयंती या पुण्यतिथि संपूर्ण नहीं मानी जाती।' 'अबकी बार किस हिंदी मेवी को कार्यक्रम स्पांसर करवाने को फंसाया है?' 'हैं एक सज्जन जो हिंदी में हर क्लास में फेल होते रहे थे। उनसे आज भी हिंदी में लिखा तो कुछ नहीं जाता, पर उनका हिंदी प्रेम! बाप रे बाप! इसलिए वे हिंदी प्रेमियों को खिला हिंदी में पास होने की कोशिश करेंगे। अच्छा तो फोन काटता हूं। अभी हिंदी कार्यक्रम के सर्वथा नवीन अध्यक्षीय भाषण की भी तैयारी करनी है', कह उधर उन्होंने फोन काटा तो इधर मैं हिंदी का ठरकी प्रेमी मयूर हो नाचा।

हिमालयी क्षेत्र को कचरे का डिब्बा नहीं बनाना चाहिए। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को शासन, प्रशासन एवं स्थानीय जनता द्वारा जागरूक किया जाना चाहिए और इस धार्मिक स्थल के कानून कायदे उनको बताने चाहिएं ताकि वे इसे पर्यटन स्थल समझकर मनमानी न करें। मणिमहेश डल के अलावा अन्य अनावश्यक रूट निश्चित तौर पर बंद कर दिए जाने चाहिएं, ताकि पर्वतीय दर्रों में जाकर बाहर से आए हुए अनजान लोग फंस कर अपनी जान न गंवाएं। बाहर से आए हुए यात्रियों को इन पर्वतों की तासीर का पता नहीं है, इसलिए अनावश्यक स्थान पर जाने से उन्हें रोका जाना चाहिए। वृद्ध जनों एवं बच्चों को इस यात्रा में लेकर जाना खतरे से खाली नहीं है....

अध्यात्म-पर्यटन को एक ही तराजू में न तोलें

अशोक दर्द

सन् 1995 में मणिमहेश यात्रा के दौरान शाही स्नान के साथ ही बारिश शुरू हो गई थी। कुछ श्रद्धालु वापस आने लगे थे तो कुछ जा रहे थे। इस बारिश ने धीरे-धीरे इतना भयंकर रूप पकड़ लिया था कि दिन रात नॉनस्टॉप पांच-छह दिन तक भारी बारिश होती रही, जिससे चारों ओर तबाही मच गई थी। रावी नदी का पानी पुराने पुल के ऊपर से क्रॉस हो गया था। देवदारों के बड़े-बड़े पेड़ तनों सहित रावी में बह रहे थे। रावी का ऐसा रौद्र रूप लोग पहली बार देख रहे थे। यह भयंकर मंजर मैंने अपनी आंखों से देखा है। सडक़ों की हालत ऐसी थी कि कहीं-कहीं तो सडक़ का नामोनिशान तक नहीं बचा था। उस समय सडक़ें भी इतनी चौड़ी नहीं हुआ करती थीं जितनी आज हैं। भरमौर तक तो पूरी सडक़ टूट गई थी, पुल बह गए थे। लोग इतनी बारिश देखकर सहम गए थे। सबके भीतर एक डर का वातावरण था। इस नॉन स्टॉप बारिश के कारण आसपास कई घरें जा रहीं थीं। खेत टूट रहे थे, कई खेत बह गए थे और कई लोगों के घर जमीन धंसने के कारण क्रैक हो गए थे। उस त्रासदी के समय रात को जब लोग सोते थे तो यह सोचकर सोते थे कि पता नहीं अगली सुबह देखनी नसीब होगी भी या नहीं। सैलाब में कहां पहुंच जाएंगे कोई पता नहीं था। तीस साल बाद कमोबेश इस बार भी मणिमहेश के पवित्र स्नान के समय की यह स्थिति उस समय की स्थिति से भी भयंकर रही है। कई गांव, कई घर त्रासदी की चपेट में आ गए हैं। बहुत नुकसान हुआ है।

फलों के बागीचे धंस गए हैं, खेत बह गए हैं। आम आदमी आज फिर डर के साए में जी रहा है। कई जिंदगियां चली गई हैं। प्रकृति का यह तांडव नई पीढ़ी तो शायद पहली बार देख रही है। यहां एक बात उभर कर आती है कि यह जो हमारे तीर्थ स्थल हैं, इन पर अनावश्यक बोझ लादा जा रहा है। तीस साल पहले जहां पांच हजार लोग यात्रा करते थे, अब पचास हजार या उससे भी ज्यादा लोग जा रहे हैं। पर्यावरण का जरा भी ध्यान नहीं रखा जा रहा है। पवित्र डल के आसपास इस बार पांच-पांच टन अधोवस्त्रों का फेंका जाना कितना दुर्भाग्यपूर्ण है। समझ नहीं आता यह कौनसी आस्था है? प्लास्टिक का कचरा और शराब की बोतलें मिलना भी दुर्भाग्यपूर्ण है। इस मणिमहेश जैसे आध्यात्मिक स्थल को पर्यटन स्थल समझ लेना कितना खतरनाक है, इस बार सबको पता चल गया है। भारी बारिशों में सडक़ों का टूट जाना, यातायात का बंद हो जाना, इंटरनेट सेवा का पूरी तरह खत्म हो जाना और पुलों का बह जाना वर्तमान त्रासदी के प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। यदि हम ध्यान से विचार करें तो यह प्रकृति के द्वारा दी गई मनुष्य को चेतावनी है। इसी त्रासदी के बीच कई अफवाहों ने भी यात्रा पर गए लोगों व उनके परिजनों को बहुत डराया। लोगों के खड़े वाहन स्लाइड की चपेट में आकर टूट गए। स्लाइड के साथ कुछ बह गए, कुछ दब गए। खैर इनकी तो भरपाई की जा सकती है। परंतु कुछ जानें जो चली गईं उनकी भरपाई असंभव है। इस सब के बीच शासन-प्रशासन पर लोगों ने उंगली भी उठाई। खैर प्रकृति के इस त्रासद समय में सब बेबस थे। इस बात को भी समझना चाहिए जब जाने के लिए सडक़ें ही नहीं हैं और केबल की तारें टूट गई हैं, घारों में बह गई हैं तो उसे ठीक करने में समय तो लगता ही है। परंतु उतावलेपन में हम अपना दायित्व भूल जाते हैं, यह एक विडंबना है। जिला चंबा यूं भी पिछड़ा जिला है। यहां हिमाचल के अन्य जिलों की अपेक्षा सुविधाएं कम हैं। इसी वजह से श्रद्धालुओं को और भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। परंतु हर कठिनाई कुछ न कुछ सीख देकर अवश्य जाती है। हम सबका दायित्व है कि इस कठिन समय के भोगे हुए यथार्थ को अपनी सीख में शामिल करें। भविष्य में, सबसे पहले वर्षों की स्थापित मान्यताओं को मद्देनजर रखते हुए सभी मान्यताओं को बरकरार रखें, इसमें शासन और प्रशासन पूरा सहयोग दें। इन धार्मिक स्थलों की पवित्रता का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। अध्यात्म और पर्यटन को एक ही तराजू से नहीं तोला जाना चाहिए। विशुद्ध पर्यटन की जगह आध्यात्मिक पर्यटन माना जाना चाहिए।इस हिमालयी क्षेत्र को कचरे का डिब्बा नहीं बनाना चाहिए। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को शासन, प्रशासन एवं स्थानीय जनता द्वारा जागरूक किया जाना चाहिए और इस धार्मिक स्थल के कानून कायदे उनको बताने चाहिएं ताकि वे इसे पर्यटन स्थल समझकर मनमानी न करें। मणिमहेश डल के अलावा अन्य अनावश्यक रूट निश्चित तौर पर बंद कर दिए जाने चाहिएं, ताकि पर्वतीय दर्रों में जाकर बाहर से आए हुए अनजान लोग फंस कर अपनी जान न गंवाएं। बाहर से आए हुए यात्रियों को इन पर्वतों की तासीर का पता नहीं है, इसलिए अनावश्यक स्थान पर जाने से उन्हें रोका जाना चाहिए। वृद्ध जनों एवं बच्चों को इस यात्रा में लेकर जाना खतरे से खाली नहीं है। इसलिए यात्रियों को चाहिए कि वे हमेशा वृद्ध व बच्चों को लेकर न आएं। इन कुछेक जागरूक निर्णयों के द्वारा यात्राओं को सुखद बनाया जा सकता है और प्रकृति के विनाशकारी तांडव से भी बचा जा सकता है। विचार करने योग्य मसला यह है कि पहले की अपेक्षा अब क्यों ज्यादा नुकसान हो रहा है? अध्यात्म, धर्म, संस्कृति के पैरोकार मानते हैं कि हमने अपने देवी-देवताओं को भुला दिया है। विकास की होड़ में धर्मस्थलों में भी ऐसे कृत्य हो रहे हैं, जिनसे बचा जाना चाहिए। धर्मस्थलों पर संयम बरतने की जरूरत है।

लाइफस्टाइल मंच से सियासी अखाड़े में बदला सोशल मीडिया

लोकमित्र गौतम

गुजरे पखवाड़े पूरी दुनिया ने जलते हुए नेपाल के जो लोमहर्षक दृश्य देखे, हाल के दशकों में ऐसे भयावह दृश्य नहीं देखे गए थे। सबसे बड़ी बात यह है कि ये दृश्य सोशल मीडिया के अखाड़े से निकलकर पूरी दुनिया को दहला दिया है। जिस सोशल मीडिया को शुरू में लाइफस्टाइल मंच समझा गया था- सेल्फी पोस्ट करने, दोस्तों से जुड़ने, खाने-पीने की मुंह में पानी लाती तस्वीरों को प्रस्तुत करने और अपनी जिंदगी के रोमांचित करनेवाले पलों को साझा करने के लिए मंच समझा गया था, उस धारणा को यूं तो सोशल मीडिया ने 2010-11 में ही तोड़ दिया था, जब 'अरब स्प्रिंग' के तहत ट्यूनीशिया से शुरू हुआ जन आंदोलन देखते ही देखते मिस्र, लीबिया, यमन और सीरिया तक पैसल गया था। याद करिए, काहिरा का वह युवा आंदोलन जब एक लड़की ने सोशल मीडिया में यह पोस्ट करके अपने घर से निकली थी कि जो चाहे उसके साथ आंदोलन में जुड़ सकता है और उसके बाद देखते ही देखते मिस्र में युवाओं ने सोशल मीडिया के जरिए सरकार के विरुद्ध एक जबर्दस्त आंदोलन खड़ा कर दिया था। उस जमाने के ट्विटर और फेसबुक पर डाले गए वीडियो और लाइव पोस्ट ने पूरे अरब जगत के युवाओं को संगठित कर दिया था। मिस्र का तहरीर चौक देखते ही देखते राष्ट्रपति होश्नी मुबारक की राजसत्ता की कब्र खोद दी थी।महज 36 घंटे! हालांकि, नेपाल में गुजरे 8 सितंबर 2025 को शुरू हुआ जेन जी आंदोलन इतने वेग के साथ शुरू हुआ था कि अरब स्प्रिंग की याद दिला रहा था। मगर महज 24 घंटे गुजरते-गुजरते यह आंदोलन भयावह दुःस्वप्न बन जाएगा, इसकी कल्पना किसी ने सपने में भी नहीं की थी। सोमवार को जो आंदोलन सोशल मीडिया पर प्रतिबंध की वजह से नेपाल की सड़कों, खास करके काठमांडू की सड़कों पर फूट पड़ा था, वह आंदोलन अगले ही दिन यानी 24 घंटे गुजरते-गुजरते नेपाल के ही नहीं, बल्कि समूची दक्षिण एशिया के इतिहास का सबसे खूनी और सबसे विध्वसंक आंदोलन बनकर सामने आएगा, भला यह बात कौन जानता था? आठ नेपाली युवकों की नेपाल पुलिस की गोली से हत्या के बाद यह जेन जी आंदोलन इस कदर भड़का कि देखते ही देखते नेपाल की संसद, नेपाल का सुप्रीम कोर्ट और नेपाल का सेक्रेटियट यानी समूची कार्यपालिका और न्यायपालिका जलकर राख हो गई।

दुष्प्रवृत्तियों की रोकथाम पर हो मन की बात

प्रधानमंत्री जी आपसे विनम्र विनती है कि आप सबसे पहले सामाजिक बुराइयों के इस आधुनिक रूप को अपने स्तर पर, अपने आग्रह पर, अपने निर्देश पर नियंत्रित करने की दिशा में आगे बढ़ें। उदाहरण के लिए आपके मार्गदर्शन में मोटरगाडिय़ां यानी कि कारें, मोटरसाइकिलें बनाने वाली कंपनियों के लिए ये नियम निर्धारित हो कि वे अपनी-अपनी गाडिय़ों के हॉर्न ऐसे बनाएं जो तीखे, असहनीय, कर्कश न होकर कानों के लिए सहज, सुरीले व कम ध्वनि वाले हों। नियम यह भी हो कि कंपनियों द्वारा बनाया गया हॉर्न कहीं भी कभी भी बदला न जा सके। आप अपने मन की बात कार्यक्रम में किशोरों-युवाओं को गली-मोहल्लों में तेज गति से मोटरगाडिय़ां नहीं चलाने का मार्गदर्शन भी दे सकते हैं। आप सौ से लेकर पांच सौ या हजार मीटर तक की यात्रा, साइकिल द्वारा अथवा पैदल चलकर करने की, प्रेरणा भी दे सकते हैं। आप युवाओं को टेलीविजन, कंप्यूटर, मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल के नियंत्रित व न्यून उपयोग को प्रेरित कर सकते हैं ....

विकेश कुमार बडोला

ये आलेख अतिवृष्टि में दिवंगत हुए लोगों को याद करके उनके प्रति श्रद्धांजलि है। प्रकृति तो चलो मानवों पर दया कर सकती है। इसलिए आशा करता हूं कि आने वाली वर्षा ऋतु पहाड़ी प्रांतों के लिए आपदा विहीन होगी। किंतु आधुनिकता की आड़ में राक्षसी होते मनुष्यों की दुष्प्रवृत्तियों पर रोक कैसे लगेगी। आधुनिक वस्तुओं-सेवाओं का प्रयोग, उपयोग व भोगोपभोग मानव हिंसक जानवरों की तरह न करके मानव की तरह करना कब आरंभ करेगा। क्षमा करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी सोचता हूं कि आर्थिक-भौतिक-वैज्ञानिक-सामरिक रूप में शीघ्र ही विश्व का सर्वाधिक तृतीय शक्तिशाली देश बनने जा रहा भारत सामाजिक-सांस्कृतिक-प्राकृतिक-व्यक्तिगत-ग्रामीण रूप में कब शीर्ष स्तर की ओर बढऩा आरंभ करेगा। आप गत दस-ग्यारह वर्षों से देश को अपने मन की बातें बता रहे हैं, जो विभिन्न स्तरों पर देश की प्रगति के लिए उपयुक्त बातें हैं। किंतु आप सार्वजनिक जीवन, सडक़ों, गलियों, घरों, समाज-परिवारों में अव्यवस्थित होकर उपस्थित युवा पीढ़ी को समझाने के लिए भी कृपया कुछ प्रेरणापरक बातें बताएं। जो किशोर, युवा और प्रौढ़ भारतीय सज्जन हैं वे तो संभवत: आपकी प्रेरणादायी बातों की यात्रा के आरंभ होने से पहले ही अपने विभिन्न कार्यकर्त्तव्यों का समुचित ढंग से निर्वाह कर रहे हैं, और दुर्भाग्य से ऐसे सज्जनों की संख्या देश-विदेश में सब देशस्थानों में कम है। विशेषकर भारत में किशोरों व युवाओं की अधिसंख्य पीढ़ी घर-बाहर बुरी तरह अमानवीय होकर दुराचरण व दुर्व्यवहार कर रही है। ये पीढ़ी घर पर होती है तो टेलीविजन, कंप्यूटर स्क्रीन और मोबाइल फोनों की स्क्रीन्स पर अधिक समय व्यतीत कर रही है।

इस कारण एक ही घर में रहते हुए भी ये लोग माता-पिता, दादा-दादी व भाई-बहनों से पारिवारिक संबंधों के अनुसार बातचीत व आचार-व्यवहार नहीं कर रहे। इन्होंने घर को केवल अपनी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम बना रखा है। इन्हें कुछ समझाओ तो ये उग्र होकर काटने को दौड़ते हैं। इन्हें सदुणों, सात्विक भोजन, प्राकृतिक रहन-सहन, परंपरा-प्रकृति, धर्म-साहित्य के संदर्भ के साथ कोई शिक्षा या सीख दो तो ये विपरीत नास्तिक होकर माता-पिता, बड़े-बूढ़ों व अन्य अभिभावकों का घृणित तिरस्कार करने लगते हैं। ऐसी पीढ़ी के साथ माता-पिता तथा अन्य परिवारीजनों का दैनिक जीवन-संघर्ष जीवन के लिए अत्यंत दु:खदायी बना हुआ है। इस पीढ़ी के किशोर व युवा जब अपने परिवार की उपेक्षा, अपमान तथा तिरस्कार करके मोटरसाइकिलों, स्कूटियों तथा कारों में बैठकर सडक़ों पर भागते हैं तो मोटर वाहनों की गति, तेज हार्न पर इनका कोई

नियंत्रण नहीं होता। ऐसे लगता है जैसे ये पैदल चलने वाले लोगों को अपनी आधुनिक कुंठा के कारण कुचल कर रख देना चाहते हैं। मुख्य मार्गों, उप-मार्गों के अतिरिक्त आवासीय घरों की छोटी-पतली गलियों में भी इनकी मोटर गाडिय़ों की गति कम नहीं होती। इनके वाहनों के कर्कश, कानफोडू हॉर्न घरों तक में शोर का तूफान उठाते रहते हैं। इन्हें इतना ज्ञान नहीं होता कि जब इनकी मोटर गाडिय़ों का इंजन दुगदुग की आवाज के साथ पूरी सडक़, गली, मोहल्ला व शहर को अपने चलने-होने का संकेत दे रहा है, तो फिर इन्हें उस हल्ले के साथ हॉर्न का हल्ला क्यों करना चाहिए। रात में, आधी रात में व सुबह चार बजे भी सडक़ों और गलियों में, जब केवल इक्के-दुक्के आवारा कुत्ते ही होते हैं, तब भी ये आते-जाते अपनी गाडिय़ों के तीखे-तेज-असहनीय-कानफोडू-कर्कश हॉर्न बजाकर चलते हैं। ये इस पीढ़ी पर कैसा मनोरोग चढ़ा हुआ है। यातायात विभाग भी स्थानीय राजनीति और नेताओं के दबाव में ऐसी पीढ़ी पर यातायात नियमों के उल्लंघन की कोई बड़ी कार्रवाई नहीं करता है। माना जाता है कि ऐसी पीढ़ी को अपना वोट बैंक समझकर नेतागण, यातायात प्राधिकारियों को इन पर कार्रवाई न करने का दबाव बनाते रहते हैं। ये पीढ़ी इतने सार्वजनिक अत्याचार करने तक ही सीमित नहीं है।

ये मदिरापान, धूम्रपान, तंबाकू चर्वण, मादक पदार्थों के सेवन, वेश्यावृत्ति इत्यादि सामाजिक रूप में अवांछनीय कामों में भी लिप्त हैं। ऐसा भी नहीं है कि ये इन कामों को गुप्त ढंग से करते हों और सार्वजनिक जीवन में सज्जनता के साथ रहने का विकल्प ढूढते लोगों के लिए कोई समस्या खड़ी नहीं करते हों। ये इन कामों की आड़ लेकर ही, इनके नशे में पतित होकर ही सार्वजनिक जीवन को अराजक बनाए हुए हैं। देश-दुनिया में जो भी जमे-जुमाए दुर्गण थे, वे तो इन्होंने अपनाए ही अपनाए, साथ ही साथ ये हर नए वैश्विक दुर्गुण को स्वदुष्प्रेरणा से अपना रहे हैं और प्रतिक्षण मानव समाज को प्राकृतिक-सामाजिक-सांस्कृतिक-पारिवारिक रूप में ध्वस्त करने पर लगे हुए हैं।

प्रधानमंत्री जी आपसे विनम्र विनती है कि आप सबसे पहले सामाजिक बुराइयों के इस आधुनिक रूप को अपने स्तर पर, अपने आग्रह पर, अपने निर्देश पर नियंत्रित करने की दिशा में आगे बढ़ें। उदाहरण के लिए आपके मार्गदर्शन में मोटरगाडिय़ां यानी कि कारें, मोटरसाइकिलें बनाने वाली कंपनियों के लिए ये नियम निर्धारित हो कि वे अपनी-अपनी गाडिय़ों के हॉर्न ऐसे बनाएं जो तीखे, असहनीय, कर्कश न होकर कानों के लिए सहज, सुरीले व कम ध्वनि वाले हों। नियम यह भी हो कि कंपनियों द्वारा बनाया गया हॉर्न कहीं भी कभी भी बदला न जा सके। आप अपने मन की बात कार्यक्रम में किशोरों-युवाओं को गली-मोहल्लों में तेज गति से मोटरगाडिय़ां नहीं चलाने का मार्गदर्शन भी दे सकते हैं। आप द्वारा सौ से लेकर पांच सौ या हजार मीटर तक की यात्रा, साइकिल द्वारा अथवा पैदल चलकर करने की, प्रेरणा भी दी जा सकती है। आप युवाओं को टेलीविजन, कंप्यूटर, मोबाइल फोन, मोटरसाइकिल के नियंत्रित व न्यून उपयोग के लिए प्रेरित कर सकते हैं। उन्हें मदिरा, तंबाकू व मादक पदार्थों के सेवन से बचने की सलाह दे सकते हैं। आप से आशा है कि दिग्भ्रमित युवाओं को इन बुराइयों से बचाएं। ऐसे युवाओं की सार्वजनिक अराजकता से असुरक्षित सज्जनों को शासकीय-प्रशासकीय-सामाजिक उपायों द्वारा सुरक्षा प्रदान करें। युवाओं को खुद भी व्यसनों से बचना होगा, तभी उनका व देश का कल्याण होगा।

नगरी गणेश घाट के पास बनेगा एनीकट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ जल संसाधन विभाग द्वारा धमतरी जिले के विकासखण्ड-नगरी में महानदी उद्गम स्थल गणेश घाट के पास एनीकट कम काजवे के निर्माण के लिए 6 करोड़ 14 लाख 90 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना के निर्माण कार्य पूरे हो जाने पर ग्रामवासियों को पेयजल, आवागमन, भू-जल संवर्धन और किसानों द्वारा स्वयं के साधनों से 85 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा भी उपलब्ध होगी। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से योजना के निर्माण कार्य कराने के लिए मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

रायपुर-राजिम-रायपुर मेमू पैसेंजर नई सेवा का 18 सितम्बर से शुभारंभ

रायपुर-अभनपुर-रायपुर मेमू पैसेंजर ट्रेन का परिचालन राजिम तक विस्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत 68766/68767 रायपुर-राजिम-रायपुर मेमू पैसेंजर नई सेवा का परिचालन का राजिम रेलवे स्टेशन से दिनांक 18 सितम्बर, 2025 से शुभारंभ किया जा रहा है। साथ ही रेल यात्रियों की सुविधाओ को ध्यान में रखते हुये रेल प्रशासन के द्वारा रायपुर एवं अभनपुर के मध्य चल रही 68760/68761 एवं 68762/68763 रायपुर-अभनपुर-रायपुर मेमू पैसेंजर ट्रेन का परिचालन राजिम तक विस्तार किया जा रहा है ।

यह गाड़ी 06767 राजिम-रायपुर मेमू पैसेंजर स्पेशल सेवा का परिचालन राजिम रेलवे स्टेशन से दिनांक 18 सितम्बर, 2025 से शुभारंभ किया जाएगा । यह गाड़ी दिनांक 19 सितम्बर, 2025 से नियमित समय सारणी के अनुसार गाड़ी संख्या 68766/68767 रायपुर-राजिम-रायपुर मेमू पैसेंजर नई सेवा प्रतिदिन दोनों छोर से राजिम और रायपुर से संचालित की जाएगी।

अमृत सरोवर बना महिला सशक्तिकरण का माध्यम

मछली पालन से आत्मनिर्भर हुईं महिलाएँ, 1.30 लाख रूपये का हुआ शुद्ध लाभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अमृत सरोवर मिशन के तहत निर्मित तालाब अब केवल जल संरक्षण का साधन न रहकर ग्रामीणों की आर्थिक उन्नति का माध्यम बन रहे हैं। रायगढ़ जिले के कोड़ासिया ग्राम का अमृत सरोवर इसका जीवंत उदाहरण है, जहाँ पद्मावती महिला स्व-सहायता समूह की महिलाएँ मछली पालन के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रही हैं। समूह की 10 महिला सदस्यों ने 2.70 एकड़ में फैले अमृत सरोवर में सामूहिक रूप से मछली पालन प्रारंभ किया। प्रारंभिक निवेश के रूप में 6 हजार रूपये में मछली बीज, 10 हजार रूपये में दाना तथा 4 हजार रूपये जाल व मजदूरी पर व्यय किए गए। इस छोटे निवेश ने बड़ा परिणाम दिया। महिलाओं ने कोड़ासिया के साप्ताहिक बाजार एवं सरोवर किनारे ताजी मछलियों का विक्रय कर 1.50 लाख रूपये की आय अर्जित की, जिससे 1.30 लाख रूपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। प्रत्येक महिला को 13-13 हजार रूपये का लाभांश प्राप्त हुआ।

मछली पालन से प्राप्त इस सफलता ने न केवल महिलाओं की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी नई दिशा दी है। अब वे गाँव की अर्थव्यवस्था में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। अमृत सरोवर के किनारे मछली विक्रय करती ये महिलाएँ गाँव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। यह पहल केवल एक व्यवसाय तक सीमित नहीं है, बल्कि आर्थिक स्वावलंबन और सामाजिक बदलाव की शुरुआत है। पहले जहाँ महिलाएँ घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित थीं, वहीं अब वे संगठित होकर आय अर्जित कर अपने परिवार और समाज दोनों को संबल प्रदान कर रही हैं। कोड़ासिया ग्राम का अमृत सरोवर आज साहस, मेहनत और महिला सशक्तिकरण का प्रतीक बन चुका है।

जशपुर जिले में सोरो व्यपवर्तन योजना के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य को मिली प्रशासकीय स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन द्वारा जशपुर जिले के विकासखंड-बगीचा अंतर्गत सोरो व्यपवर्तन योजना के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य हेतु प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस कार्य हेतु तीन करोड़ छियालिस लाख चौदह हजार रुपए की स्वीकृत दी गई है। स्वीकृति छत्तीसगढ़ शासन, वित्त एवं योजना विभाग द्वारा गठित समिति की अनुशंसा और माननीय मंत्री जी के अनुमोदन उपरांत प्रदान की गई है।

योजना से बढ़ेगी सिंचाई क्षमता एवं होगा समुचित विकासः योजना पूर्ण होने पर 122 हेक्टेयर के विरुद्ध वर्तमान में उपलब्ध 86 हेक्टेयर की सिंचाई क्षमता की कमी की पूर्ति करते हुए क्षेत्र में पूर्ण रूपांकित सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। निर्माण कार्यों को निर्धारित समय सीमा और स्वीकृत राशि के अंतर्गत ही पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाएगा। निविदा प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से कराई जाएगी तथा कार्य की गुणवत्ता और मितव्ययिता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कार्य की तकनीकी स्वीकृति, ड्रॉइंग-डिजाइन अनुमोदन एवं वित्तीय अनुशासन के पालन की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी। भूमि उपलब्धता, भू-अर्जन की आवश्यकता, अतिरिक्त व्यय की सीमा, अनुबंध की समयसीमा एवं कार्य गुणवत्ता से जुड़े सभी पहलुओं का पालन सुनिश्चित किया जाएगा। राज्य शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों एवं नियमों का अनुपालन करते हुए यह योजना लोकहित की भावना के अनुरूप क्षेत्रीय विकास में सहायक होगी।

आने वाली पीढ़ियों के लिए ओजोन परत का संरक्षण हमारी जिम्मेदारीः मंत्री ओ.पी. चौधरी

इस वर्ष दोगुना, अगले वर्ष तीन गुना होगी पुरस्कार राशि- मंत्री चौधरी

ओजोन परत संरक्षण दिवस पर पोस्टर एवं इन्वायरोथान प्रतियोगिता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय ओजोन परत संरक्षण दिवस पर छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा राजधानी रायपुर के सिविल लाइंस स्थित नवीन विश्राम गृह में पोस्टर एवं इन्वायरोथान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में वित्त, वाणिज्य कर, आवास एवं पर्यावरण तथा योजना एवं सांख्यिकी विभाग के मंत्री ओ.पी. चौधरी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि ओजोन परत का संरक्षण केवल पर्यावरण ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य और स्वास्थ्य के लिए भी अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण सबके लिए समान है अमीर, गरीब, विद्वान या साधारण व्यक्ति और इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सबकी है।

वित्त मंत्री चौधरी ने भारतीय परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चलते रहे हैं। पीपल, आंवला नवमी, गोवर्धन पूजा जैसी परंपराएं पर्यावरण संरक्षण की मिसाल हैं। पश्चिमी देशों का विकास मॉडल केवल संसाधनों के अंधाधुन दोहन पर आधारित है, जो टिकाऊ नहीं है। अब आवश्यकता सस्टेनेबल डेवलपमेंट की है ताकि जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटा जा सके।

वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिये हम सभी को सामूहिक प्रयास करने होंगे। ओजोन परत का संरक्षण केवल पर्यावरण ही नहीं बल्कि जीवन बचाने का संकल्प है। हम सभी इस दिशा में आगे आयें और ओजोन क्षरण पदार्थ व इसके उपयोग से बने उपकरणों का उपयोग ना करें। पर्यावरणीय चेतना से ही इस देश का हरित और सुरक्षित भविष्य बन सकता है।

शिक्षा क्षेत्र में नई उपलब्धियाँः वित्त मंत्री चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में अब शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनने जा रहा है। नया रायपुर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) और राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी) के कैंपस खोले जा रहे है। इन संस्थानों की स्थापना से प्रदेश के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर की शिक्षा और शोध के अवसर अपने ही राज्य में उपलब्ध होंगे। साथ ही राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (निलेट) का स्थायी केंद्र भी छत्तीसगढ़ में स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों की स्थापना से प्रदेश के युवाओं को तकनीकी, व्यावसायिक और शोध आधारित शिक्षा के नए आयाम मिलेंगे। उन्होंने कहा कि आज केवल डिग्री ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि बच्चों को टेक्नोलॉजी और स्किल्स पर भी ध्यान देना होगा। इस अवसर पर उन्होंने अजीज प्रेम जी स्कॉलरशिप का उल्लेख किया, जिसके तहत शासकीय स्कूलों से 10वीं-12वीं पास कर चुके जरूरतमंद विद्यार्थियों को प्रति वर्ष 30 हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जाएगी।

इस वर्ष दोगुना अगले वर्ष तीन गुना मिलेगी पुरस्कार राशि- मंत्री चौधरीः मंत्री चौधरी ने कार्यक्रम में पोस्टर एवं इन्वायरोथॉन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही इस दौरान उन्होंने पुरस्कार राशि को इस वर्ष दोगुना और अगले वर्ष 3 गुना करने की घोषणा की। उन्होंने इस अवसर पर महाविद्यालयीन एवं स्कूली छात्र-छात्राओं को ओजोन परत सरंक्षण हेतु शपथ भी दिलायी।

जलवायु परिवर्तन के कारण एवं निदान तथा ओजोन परत संरक्षण- मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में लगभग 550 एवं इन्वायरोथॉन के विषय वेस्ट टू वेल्थ में लगभग 350 बच्चों ने भाग लिया, जिसमें पोस्टर प्रतियोगिता में 12-17 वर्ष वर्ग में बी.पी. पुजारी स्कूल, रायपुर की कु. नेहा कोसले, 18-22 वर्ष वर्ग में शास. नागार्जुन विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर के रोहित कुमार साहू और दिव्यांग वर्ग में शा. दिव्यांग महाविद्यालय, माना, रायपुर के अनमोल पटले प्रथम स्थान पर रहे। इसी प्रकार इन्वायरोथान प्रतियोगिता में 12वीं तक वर्ग में राज कुमार कॉलेज के स्वर्णिम कुंज (ए.आर.बी. ग्रुप), स्नातक वर्ग में आईआईआईटी नवा रायपुर की कु. अनुष्का एक्का तथा स्नातकोत्तर वर्ग में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के निखिल कसेर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के सदस्य सचिव राजिव अगसिमनि सहित बड़ी संख्या में स्कूलीं एवं महाविद्यालयीन छात्र-छात्राएं, अभिभावक, शिक्षकगण एवं विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के नरेंद्र मोदी जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़े की शुरुआत

रतदान शिविर और विशाल स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी (निप्र)। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदरदास मोदी जी के जन्मदिवस (17 सितंबर) के अवसर पर सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम की शुरुआत आज चिरमिरी में हुई। 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस पखवाड़े का शुभारंभ जिला अस्पताल में बल्ड डोनेट और स्वास्थ्य शिविर से की गई। इसके बाद चिरमिरी के स्थानीय मंगल भवन पोड़ी में अनुभूति और प्रदर्शनी कार्यक्रम भी आयोजित रहा। इस अवसर पर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में तथा भारतीय जनता पार्टी जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की जिलाध्यक्ष चंपा देवी पावले विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

रक्तदान शिविर में उमड़ा उत्साहः प्रधानमंत्री मोदी के जन्मोत्सव पर जिला अस्पताल चिरमिरी में रक्तदान शिविर एवं विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया। उन्होंने रक्तदान शिविर का अवलोकन कर रक्तदान कर रहे युवाओं को प्रोत्साहित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, दोपहर 12 बजे तक 10 यूनिट रक्त एकत्र किया जा चुका था। भारतीय जनता युवा मोर्चा ने 200 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य निर्धारित किया है और रक्तदान का कार्य लगातार जारी है।

हेल्थ शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीमः सेवा पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के जन्मदिवस से लेकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती तक स्वास्थ्य सेवा एवं स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाता है। इसकी शुरुआत आज चिरमिरी से हुई है। इस विशाल स्वास्थ्य शिविर में रायपुर से आई विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम गंभीर बीमारियों की जाँच और उपचार उपलब्ध करा रही है। इस स्वास्थ्य शिविर से जिलेभर के आम नागरिकों को लाभ मिलेगा।

कलेक्टर ने विभागीय कार्यों की प्रगति, लंबित फाइल और शिकायतों का किया समीक्षा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय सभा कक्ष में समय-सीमा की बैठक आहूत की गई। बैठक में उन्होंने समस्त विभागों में विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा करते हुए विभागीय महत्वपूर्ण पत्रों, शिविरों के लंबित मुद्दों, डीएमएफ कार्यों की प्रगति और आगामी बैठक में शामिल होने वाले प्रस्तावों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जन शिकायतों, जन चौपाल और पीएम पोर्टल की स्थिति की भी जानकारी ली गई। कलेक्टर ने सबसे पहले अधिकारियों को उच्च न्यायालय द्वारा मांगे गए प्रकरणों का गंभीरता और प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने डीएमएफ मद से स्वीकृत कार्यों की जानकारी लेते हुए कहा कि डीएमएफ प्रकरणों की फाइलों का संधारण नियमानुसार किया जाए और भंडार क्रय नियमों का पालन करते हुए कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से कराया जाए। उन्होंने सभी विभागों को प्रत्येक माह में जीएसटी फाइल अपडेट करने के निर्देश दिए। निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि किसी भी मद से हो रहे निर्माण कार्य का सत्यापन विभाग प्रमुख स्वयं स्थल पर उपस्थित होकर करेंगे और संतुष्ट होने के बाद ही फोटोग्राफ अपडेट करेंगे। कलेक्टर ने समस्त एसडीएम को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत हितग्राहियों को जारी की गई राशि की उपयोगिता की जानकारी देते हुए कहा कि जिले में ऐसे कितने हितग्राही हैं जिन्होंने राशि प्राप्त करने के बाद भी आवास पूर्ण नहीं किया है, इसका विवरण तैयार करें और जिन हितग्राहियों ने समय-सीमा में आवास पूर्ण नहीं किया है उनसे राशि की वसूली की कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि यह पैसा शासन का है और इसका उपयोग केवल आवास निर्माण में होना चाहिए। बैठक में कलेक्टर ने उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन एवं महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के जिले दौरे के दौरान की गई घोषणाओं की भी समीक्षा की। इसमें उद्योग मंत्री द्वारा स्ट्रीट लाइट, पेयजल व्यवस्था, चैनपुर इंडस्ट्रीज के अनुसंधान, जिला व्यापार एवं उद्योग विभाग के लिए भूमि चिन्हांकन, केल्हारी में 37 एकड़ भूमि में उद्योग निर्माण, परसगढ़ी की भूमि की उपयोगिता, चिरमिरी एवं खड़गवां में उद्योग हेतु जमीन सर्वे और रोड कनेक्टिविटी की जानकारी शामिल रही। कलेक्टर ने भरतपुर में भी उद्योग हेतु भूमि चिन्हांकन की बात कही ताकि भविष्य में निवेश सुनिश्चित हो सके। महिला एवं बाल विकास विभाग की रिक्त पदों को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री संदर्भ संदेश शिविर, मातृ वंदन योजना, रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर आयोजित बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम की फोटो व वीडियो का पीडीएफ तैयार करने, पोषण आहार कार्यक्रम को सही से संचालित करने, हाट-बाजारों में दीवाल लेखन के माध्यम से प्रचार-प्रसार और महिला-पुरुष बैठक लेकर कुपोषित बच्चों की जानकारी लेने के निर्देश दिए गए।

राज्य की आईआईटी संस्थाओं में प्रवेश हेतु ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य की शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में रिक्त स्थानों के प्रवेश हेतु संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ परीक्षा प्रकोष्ठ इन्द्रावती भवन नवा रायपुर अटल नगर से पत्र जारी की गई है।

संचालक रोजगार एवं प्रशिक्षण ने जारी पत्र में कहा है कि राज्य की शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में रिक्त स्थानों के लिए पुनः प्रवेश हेतु बुधवार 17 सितम्बर से 21 सितम्बर को रात्रि 11:59 बजे तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। इच्छुक अभ्यर्थी वेबसाइट cgiti.admission.nic.in पर आवेदन कर सकते हैं।

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं (आईटीआई) में सत्र 2025-26 हेतु सप्तम एवं अष्टम चरण की काउंसिलिंग का कार्यक्रम भी घोषित किया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पंजीयन की प्रक्रिया 17 सितम्बर से 21 सितम्बर 2025 तक संपन्न होगी। तत्पश्चात् एनआईसी द्वारा 22 सितम्बर 2025 को मेरिट सूची जारी की जाएगी।

सप्तम चरण के अंतर्गत एनआईसी द्वारा चयन सूची 23 सितम्बर 2025 को जारी होगी तथा चयनित अभ्यर्थियों का संस्थाओं में प्रवेश 24 एवं 25 सितम्बर 2025 को किया जाएगा।

इसी तरह अष्टम चरण में एनआईसी द्वारा चयन सूची 26 एवं 27 सितम्बर 2025 को जारी की जाएगी। इसके अंतर्गत चयनित अभ्यर्थियों का संस्थाओं में प्रवेश 29 एवं 30 सितम्बर 2025 को होगा। संचालनालय ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों पर काउंसिलिंग एवं प्रवेश की प्रक्रिया पूर्ण करें ताकि उन्हें आईटीआई में प्रशिक्षण का अवसर प्राप्त हो सके।

मोदी की गारंटी पूर्ण करने उनके जन्म दिवस पर केक काट कर दी बधाई, घोषणा पत्र की दिलाई याद

एनएचएम कर्मचारी संघ एमसीबी द्वारा अपनी मांगो को लेकर हड़ताल जारी, मौखिक नहीं लिखत पत्र पर ही होगी समाप्ति

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एनएचएम कर्मचारी संघ एमसीबी द्वारा देश वे प्रधानमंत्री के जन्म दिन में केक काटा गया और अपनी गारंटी पूरी करने का एवं मंच के माध्यम से उपहार देने के लिए आग्रह किया गया। नियमितीकरण ग्रेड पे मूलभूत मांगों की सौगात के साथ मोदी की गारंटी 100 दिन के अंदर पूरी होगी ऐसा घोषणा पत्र में लिखा गया था। किंतु आज दिनांक तक मोदी की गारंटी पूर्ण नहीं हो पाई है इस उपलक्ष में एनएचएम एमसीबी कर्मचारी संघ द्वारा केक काटकर उनसे उपहार मांगा गया। एवं वृद्धाश्रम में जाकर फल और मिष्ठान भी वितृत किया गया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान से खेल और खिलाड़ियों को जोड़ने सभी खेल संघों को लिखा पत्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान से खेल और खिलाड़ियों को जोड़ने सभी खेल संघों को पत्र लिखा है। उन्होंने खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव, संचालक, जिला खेल अधिकारियों और खेल संघों को भेजे पत्र में कहा है कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छ भारत के सपने को एक जन आंदोलन बना दिया है। उनके जन्मदिन के अवसर पर हम हर साल की तरह इस साल भी स्वच्छता ही सेवा अभियान को एक नया आयाम देने जा रहे हैं। यह अभियान 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2025 तक चलेगा।

उप मुख्यमंत्री साव ने अपने पत्र में लिखा है कि इस साल हमें इस अभियान को सिर्फ सफाई तक सीमित न रखकर इसे खेल और स्वच्छता से भी जोड़ना है। हमारा उद्देश्य है कि हर व्यक्ति विशेषकर हमारे युवा और खिलाड़ी इस आंदोलन का हिस्सा बनें। खेल जहाँ हमें शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाते है, वहीं स्वच्छता हमें स्वस्थ और सुदंर जीवन प्रदान करती है। एक स्वच्छ वातावरण में ही बेहतरीन खेल प्रदर्शन संभव हैं। साव ने लिखा है कि 17 सितम्बर हमारे देश के यशस्वी प्रधानसेवक नरेंद्र मोदी के जन्मदिन का अवसर है। यह मात्र उनका जन्मदिन नहीं, अपितु उनके स्वच्छता के प्रति योगदान, सार्वभौमिकता, प्रेरणा, जनभागीदारी, स्वास्थ्य, आर्थिक और सामाजिक क्षेत्रों में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों का प्रतिबिम्ब है। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन को जन आंदोलन का रूप दिया, जिसमें उनके आह्वान पर देश के सभी वर्गों के लोग सम्मिलित हुए। उन्होंने व्यक्तिगत सफाई के महत्व को जन-जन तक पहुंचाया एवं उनके अथक प्रयासों से लाखों लोगों का जीवन स्वस्थ एवं सुरक्षित हुआ। अतएव हमारा कर्तव्य है कि हमारे ऐसे कर्तव्यनिष्ठ और ऊर्जावान प्रधानसेवक के जन्मदिन पर 17 सितम्बर 2025 को अपने खेल के मैदान में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाकर अपने प्रिय प्रधानमंत्री के जन्मोत्सव को मनाएं। उप मुख्यमंत्री ने स्वच्छता ही सेवा अभियान को सफल बनाने सभी खिलाड़ियों, खेल संघों और खेल से जुड़े अन्य संगठनों से इस स्वच्छता महाअभियान में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सभी खेल परिसरों को स्वच्छ बनाने के लिए स्वयं और समाज को प्रेरित करें। यह हमारे प्रधानमंत्री को एक सच्ची और सार्थक भेंट होगी। साव ने विश्वास व्यक्त किया है कि हम सब मिलकर छत्तीसगढ़ को देश में खेल के क्षेत्र में अग्रिम राज्यों में से एक बनाएंगे।

खेल के मैदान में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाकर मनाएं जन्मोत्सवः अरुण साव

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से आत्मनिर्भर बने रायगढ़ जिले के प्रदीप साहू

ऊर्जा उत्पादक बनकर कर रहे आर्थिक बचत, अन्य उपभोक्ताओं के लिए बने प्रेरणा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता एवं आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम सिद्ध हो रही है। रायगढ़ जिले के किरोड़ीमल नगर निवासी प्रदीप साहू इस योजना के सफल लाभार्थी हैं। कभी भारी-भरकम बिजली बिल के कारण आर्थिक तंगी का सामना करने वाले साहू आज स्वयं ऊर्जा उत्पादक बन चुके हैं।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत उन्होंने अपने मकान की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कराया है। इसके परिणामस्वरूप उन्हें न केवल बिजली बिल की झंझट से मुक्ति मिली है, बल्कि अतिरिक्त ऊर्जा उत्पादन से आर्थिक लाभ भी हो रहा है।

जून 2025 में उनके सोलर पैनल से 285 यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ, जिससे उन्हें 398 रूपये की छूट प्राप्त हुई और उनका बिजली बिल 165 रूपये ऋणात्मक आया। इसी प्रकार जुलाई 2025 में 239 यूनिट उत्पादन से 352 रूपये की छूट प्राप्त हुई और बिल 148 रूपये ऋणात्मक रहा। इस प्रकार लगातार दो महीनों में साहू को बिजली बिल चुकाने के बजाय अतिरिक्त उत्पादन के लिए क्रेडिट प्राप्त हुआ।

प्रदीप साहू जिले के अन्य उपभोक्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनका कहना है कि इस योजना ने उन्हें ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर किया है और घरेलू अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की है। साथ ही, सौर ऊर्जा अपनाने से पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन पर निर्भरता कम हो रही है और कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आ रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हरित ऊर्जा और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

नवचंडी मंदिर के महंत का सड़क पर धरना,झांझ-मंजीरा बजाकर मेला क्षेत्र में पक्की दुकानें बनाने का विरोध

खंडवा,एजेंसी। खंडवा में नवचंडी मंदिर के महंत बाबा गंगाराम ने सड़क पर बैठकर धरना-प्रदर्शन किया। वे नगर सरकार के रवैये का विरोध कर रहे हैं। उनका आरोप है कि नगर निगम ने मेला क्षेत्र की जमीन पर पक्की दुकानों के निर्माण के लिए लेआउट डालकर गड्ढे खोद दिए हैं। अब तक कहा जा रहा था कि दूध तलाई की तर्ज पर टीन-टप्पर की दुकानें लगाकर दुकानदारों को देंगे। लेकिन निगम ने यहां इंदौर की तर्ज पर '56 दुकान' प्रोजेक्ट को उतार दिया है। मंदिर के बाहर मेन रोड़ पर धरना दे रहे बाबा गंगाराम का कहना है कि, उन्होंने लड़ाई लड़कर तत्कालीन दिग्विजयसिंह की सरकार में नवचंडी मंदिर धर्मक्षेत्र के लिए सरकार से जमीन ली। यहां तक मेले के लिए भी जमीन आवंटित कराई और मेला क्षेत्र को सुरक्षित किया है।

यहां तक जमीन की देखरेख की जिम्मेदारी उन्होंने स्वयं न लेते हुए सरकार को दिलाई। आज भी राजस्व रिकॉर्ड में जमीन नवचंडी मेला क्षेत्र के लिए सुरक्षित है। लेकिन नगर निगम की नई सरकार उस मेला क्षेत्र के साथ खिलवाड़ कर रही हैं। जो जमीन मेले के लिए है, उस पर पक्की दुकानों का निर्माण नहीं करने देंगे।

सनातन का क्य ा हर धर्म का व्यक्ति दुकान खरीदेगा : बाबा गंगाराम का कहना है कि सरकार तो सनातन धर्म की बात करती हैं। उन्हीं की नगर निगम की सरकार इस पवित्र मेला क्षेत्र में पक्का निर्माण करवा रही है। 56 दुकानों का निर्माण करके उन्हें नीलामी के जरिए बेचा जाएगा तो प्रत्येक समाज और धर्म का व्यक्ति उस दुकान को खरीदने के लिए उत्सुक होगा।

ऐसे में मंदिर क्षेत्र की गरिमा का क्या होगा। दुकानदार व्यक्ति तो कुछ भी सामग्री बेचेंगा और हमेशा के लिए वह दुकान का मालिक होगा। अभी मेले के दौरान ठेले वालों का हटा देते है। पक्की दुकानों का क्या कर पाएंगे।

झांझ-मंजीरा लेकर बैठे, लोग बोले- शोभा नहीं देता : बाबा गंगाराम अपने परिवार और समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए हैं। वे झांझ-मंजीरा बजाकर सनातन सरकार को जगा रहे है। इसी बीच भाजपा नेता और नगर निगम के कुछ कर्मचारी और पार्षद प्रतिनिधि मौके पर पहुंचे। उन्होंने बाबा गंगाराम से कहा कि आप महंत है, बैठकर मामले का हल निकालेंगे। आप उठ जाइए, हम महापौर से आपकी मीटिंग करा देते है। बाबा ने कहा कि, आप लोगों को नहीं दिखता कि दुकानों के निर्माण के लिए गड्ढे खोद दिए गए है। क्या ये सबकुछ मैं मेरे लिए कर रहा हूं। आज तक एक रूपए का भागीदार भी रहा हूं तो आप बता दीजिए।

नगर निगम ने इस साल बाबा से छीन लिया था मेला: नगर निगम की नई सरकार ने बाबा गंगाराम के आधिपत्य से इस साल मेला आयोजन भी छीन लिया। मेले का आयोजन इस साल नगर निगम खुद टेंडर जारी कर किया। भाजपा नेता संतोष सोनी को करीब 20 लाख रूपए में ठेका दिया था। जबकि, हर साल बाबा ही 10 लाख में ठेका देते थे। उसी पैसे में वे फिल्म स्टार नाइट के अलावा तरह-तरह के आयोजन करवाते थे। उन्होंने बताया कि इन फिल्म स्टार नाइट के जरिए खंडवा में अब तक कई एक्टर आ चुके है। जो पैसा बच जाता था, उससे दशहरा पर रावण दहन के साथ भव्य आतिशबाजी करवाते हैं।

5 हजार के इनामी शराब तस्कर गिरफ्तार, छतरपुर में 51 हजार की अवैध शराब के साथ पकड़ाया; आरोपी खेत में बनी झोपड़ी से शराब बेंचते थे

छतरपुर (मध्य प्रदेश), एजेंसी। छतरपुर के गुलगंज थाना पुलिस ने 5000 रुपए के इनामी आरोपी राजवीर सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 51,000 रुपए कीमत की अवैध शराब बरामद की गई है।

मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस ने मई 2025 में रात्रि गश्त के दौरान ग्राम मझगवां खुर्द के एक खेत में छापेमारी की थी। इस दौरान पुलिस ने 11 पेटियों में कुल 99 लीटर देशी मसाला, प्लेन और अंग्रेजी व्हिस्की बरामद की थी। इस छापेमारी के बाद आरोपी राजवीर सिंह फरार हो गया था।

5000 का था इनाम : एसपी अगम जैन ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 5000 रुपए का इनाम घोषित किया था। इसके बाद गुलगंज थाना पुलिस ने लगातार जांच और तलाश के बाद राजवीर सिंह को पकड़ने में सफलता पाई। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया।

आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज : पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। राजवीर सिंह के पास से बरामद शराब और अन्य साक्ष्यों को पुलिस ने सुरक्षित कर लिया है। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह की अवैध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और भविष्य में भी ऐसे अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।गुलगंज थाना पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में सुरक्षा और कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने में मदद मिली है।

बुरहानपुर जिले में बारिश का कहर-उतावली नदी में बाढ़ से सोयाबीन, मक्का और केले की फसल डूबी

बुरहानपुर, एजेंसी। बुरहानपुर जिले की खकनार तहसील के डोईफोड़िया क्षेत्र में मंगलवार को करीब तीन घंटे तेज बारिश हुई। बारिश से नदी-नाले उफान पर आ गए और निचली बस्तियों में पानी भर गया।

गावों में बाढ़ के पानी से नुकसान: उतावली नदी का जलस्तर बढ़ने से डोईफोड़िया-ताजनापुर के बीच नाले में पानी भर गया। निचली बस्तियों में पानी घुसने से पशुओं का चारा बह गया और एक गाय की मौत हो गई। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले 5 सालों में इतनी बारिश पहली बार हुई है।

हाट बाजार और यातायात भी प्रभावित : बारिश की वजह से डोईफोड़िया का हाट बाजार दोपहर 3 बजे के बाद ही शुरू हो सका। कई गांवों के लोग नालों में पानी भर जाने से एक घंटे तक फंसे रहे। सिरपुर की उतावली नदी में बाढ़ आने से यातायात भी एक घंटे तक बंद रहा।

किसानों की फसलें बर्बाद : तेज बारिश से किसानों को भारी नुकसान हुआ। कटाई के लिए तैयार सोयाबीन की फसल खराब हो गई। नांदुरा खुर्द गांव में 6000 केले के पौधे डूब गए और दो एकड़ मक्का की फसल भी गिर गई। दो किसानों के कुएं भी धंस गए।

सागर में वेयर हाउस से मूंग और सरसो चोरी, चेनल गेट का ताला तोड़ घुसे चोर; 4 लाख रुपए की 100 बोरियां लेकर भागे

सागर, एजेंसी। सागर जिले के रहली थाना क्षेत्र के ग्राम रमगढ़ा में बने सरकारी वेयर हाउस में चोरों ने सेंध लगाई। चोर चैनल गेट और मैन गेट का ताला तोड़कर अंदर घुसे और करीब 80 बोरी मूंग व 20 बोरी सरसो लेकर फरार हो गए। चोरी गए अनाज की कीमत करीब 4 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फरियादी विपुल जैन निवासी वार्ड नंबर 10 सागर रोड रहली ने थाने में शिकायत दी। उन्होंने बताया कि उनका एमके वेयर हाउस ग्राम रमगढ़ा, खैराना तिगड्डा चांदपुर रोड पर है। यहां सरकारी मूंग, सरसो, सोयाबीन और मसूर का भंडारण है। रोजाना की तरह रात में गोदाम बंद किया गया था। सुबह करीब 11 बजे जब मैनेजर शैलेश बैरागी ने ताला खोला तो चैनल गेट और मैन गेट टूटे मिले।

गिनती में सामने आई चोरी: सूचना पर सरकारी वेयर हाउस मैनेजर बलराम पटेल भी मौके पर पहुंचे। तीनों ने अंदर जाकर जांच की तो पाया कि गोदाम के पीछे के गेट क्रमांक 2 के ताले भी टूटे हुए थे और माल बिखरा पड़ा था। गिनती करने पर 80 बोरी मूंग और 20 बोरी सरसो गायब मिली। प्रत्येक बोरी का वजन 50 किलो है।

कुल कीमत करीब 4 लाख रुपए : पुलिस के मुताबिक चोरी गया माल करीब 100 बोरियां हैं, जिनकी कुल कीमत लगभग 4 लाख रुपए है। फरियादी की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र सक्रिय : पुलिस ने बताया कि गोदाम के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। साथ ही मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय कर दिया गया है। आरोपियों की पहचान और उनकी गिरफ्तारी के लिए जांच जारी है।

रतलाम में पकड़ी ढाई लाख की अवैध शराब, पुलिस को देख वाहन लेकर भागे; पीछा किया तो पिकअप छोड़ भाग गए

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के बिलपांक थाना पुलिस ने 50 पेटी अवैध शराब पकड़ी है। पुलिस को देख शराब से भरी पिकअप लेकर ड्रायवर व उसका साथी वाहन को भगा ले गया। पुलिस ने पीछा किया तो कच्चे रास्ते में ड्रायवर व साथी पिकअप छोड़ अंधेरे का फायदा उठाते हुए भाग गए।

रतलाम पुलिस द्वारा लगातार अवैध शराब को लेकर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में बिलपांक थाना पुलिस ने मुखबीर की सूचना पर थाना प्रभारी अयुब खान, पुलिस चौकी धराड़ व सायबर सेल टीम द्वारा संयुक्त कार्रवाई की। पुलिस को सूचना मिली थी कि बोलेरो पिकअप वाहन क्रमांक स्क्क 43 छूं 0483 में दो व्यक्ति अवैध शराब व बियर लेकर नलकुई - भाटी बड़ौदिया रोड पर खड़े हैं।

सूचना पर टीम बनाकर पुलिस ने घेराबंदी की। मौके पर पहुंचने पर पुलिस टीम को देखते ही वाहन चालक व उसका साथी वाहन लेकर भागे। पीछा करने पर वाहन को नलकुई गांव पार कर कच्चे रास्ते पर रोका। इस दौरान दोनों आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए।

ढाई लाख से अधिक कीमत : पिकअप की तलाशी लेने पर उसमें कुल 30 पेटी देसी प्लेन शराब, 6 पेटी देसी मसाला शराब, 14 पेटी पावर बियर कुल 50 पेटी (464 बल्क लीटर) अवैध शराब मिली। जिसकी कीमत 2 लाख 53 हजार 200 रुपए है।

बिलपांक थाना पुलिस ने ड्रायवर व उसके साथी के खिलाफ धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत केस दर्ज किया है। बिलपांक थाना प्रभारी अयुब खान ने बताया दोनों आरोपी की तलाश की जा रही है।

3-स्टार नर्मदा रिवर व्यू रिसॉर्ट से नर्मदा हो रही दूषित, मिल रहा गंदा पानी; प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की बिना अनुमति सालों से संचालन

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम शहर के कोरी घाट के पास नर्मदा किनारे स्थित लग्जरी थ्री स्टार नर्मदा रिवर व्यू रिसॉर्ट पर नर्मदा नदी को दूषित करने का आरोप लगा है। रिसॉर्ट का गंदा पानी सीधे नर्मदा नदी में मिलते पाए जाने पर मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने होटल प्रबंधन को नोटिस थमाया है। खास बात यह है कि यह रिसॉर्ट करीब 12 साल से बिना बोर्ड की अनुमति के संचालित हो रहा है।

PCB के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. केएन कटारे ने बताया कि शिकायत के बाद 27 जुलाई को टीम ने रिसॉर्ट का निरीक्षण किया था। टीम को होटल से निकलने वाला दूषित पानी नाली के जरिए सीधे नर्मदा नदी में बहते मिला। परिसर में गंदे पानी के उपचार की कोई यूनिट भी नहीं पाई गई। जांच के लिए लिए गए नमूनों के परिणाम भी निर्धारित मानकों से अधिक मिले ।

बिना अनुमति चल रहा संचालन: नियमों के मुताबिक, किसी भी इकाई को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से संचालन की अनुमति लेनी होती है और हर साल उसका नवीनीकरण कराना पड़ता है। लेकिन निरीक्षण में पाया गया कि नर्मदा रिवर व्यू रिसॉर्ट के पास कोई अनुमति नहीं है। बोर्ड ने इस पर नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

रिसॉर्ट प्रबंधन का पक्ष : रिसॉर्ट ऑनर बी.आर. सैनी ने कहा, ÷गंदा पानी नर्मदा नदी में नहीं मिल रहा, बल्कि नगर पालिका की नालियों में बहता है। हमें क्क्क की परमिशन लेने की जानकारी नहीं थी। नोटिस मिला है, और उसके अनुसार कार्रवाई की जा रही है। एचटीपी प्लांट लगाने का ठेका एक कंपनी को दिया गया है।÷मामले की जांच जारी है। शाम 6 बजे तक नदी-नालों का पानी कम नहीं हुआ। सैकड़ों लोग नदी पार करने के लिए पानी घटने का इंतजार करते रहे। खकनार पुलिस ने नदी-नालों के पास टीम लगाई और लोगों को जोखिम न लेने की सलाह दी। कई गांवों में बिजली भी बाधित रही।

पहले भी हो चुकी कार्रवाई : रिसॉर्ट पर पहले भी कार्रवाई हो चुकी है। नगर पालिका ने बिना अनुमति निर्माण कार्य रोकवाया था। अक्टूबर 2024 में आयकर विभाग ने यहां छापामार कार्रवाई कर तीन दिन तक जांच की थी।

कई फिल्मी सितारे और उद्योगपति ठहर चुके : नर्मदा रिवर व्यू रिसॉर्ट में फरवरी 2017 में अभिनेता ऋषि कपूर निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे और दो दिन तक रुके थे। मार्च 2023 में अभिनेता रघुवीर यादव भी यहां ठहरे थे। कई बड़े उद्योगपति और अफसर भी इस होटल में ठहरते हैं।

रेहटी पुलिस ने चार मोटरसाइकिल चोर पकड़ाया:कब्जे से चोरी की 4 बाइकें बरामद, अलग-अलग थाना क्षेत्र में की थी चोरी

सीहोर,एजेंसी। सीहोर जिले की रेहटी पुलिस ने एक शातिर मोटरसाइकिल चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देश पर, एसडीओपी बुदनी रवि शर्मा और थाना प्रभारी रेहटी निरीक्षक राजेश कहारे की टीम ने की। मामला 13 सितंबर से जुड़ा है। वार्ड क्रमांक 8, चौपड़ा कॉलोनी निवासी भंवर सिंह उइके ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी मोटरसाइकिल रात में घर के सामने से चोरी हो गई। इस पर थाना रेहटी में धारा 303 (2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि भभड़ नदी के पास एक संदिग्ध युवक मोटरसाइकिल के साथ खड़ा है। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उसे रोककर पूछताछ की। आरोपी ने अपना नाम जितेंद्र कलमोदिया (34 वर्ष), निवासी वार्ड क्रमांक 9, मालवा कॉलोनी, रेहटी बताया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने यह मोटरसाइकिल और तीन अन्य गाड़ियां भी अलग-अलग थाना क्षेत्रों से चोरी की हैं। पुलिस ने आरोपी से चारों बाइक जब्त कर ली हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई से इलाके में लगातार हो रही बाइक चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने में मदद मिलेगी।

सीआरपीएफ से रिटायर्ड सैनिक का सम्मान-खरगोन में जंबू ब्राह्मण समाज ने 37 साल की देशसेवा पर निकाली रैली

खरगोन,एजेंसी। सीआरपीएफ से 37 साल 5 माह की सेवा पूरी कर लौटे उमेंद्र गणपति घोड़े का रविवार को नागरिक अभिनंदन किया गया। जंबू ब्राह्मण समाज ने उनके स्वागत में रैली निकाली और शहर घुमाकर उनके निवास तक पहुंचाया। समाज के वरिष्ठ बालमुकुंद और रुक्मिणी पाराशर ने घोड़े के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह सम्मान पूरे समाज के लिए गौरव का क्षण है।

समाजजन रहे मौजूद : अभिनंदन समारोह में अधिवक्ता देवेंद्र पाठक, राजेंद्र पाठक, अनूप परसाई, देवानंद पागड़े, भानु परसाई, श्याम परसाई, कमलेश पंढ़ाने, संजय तगाई, राजू घोड़े, अनिल जोशी, अक्षता जोशी, मनोज परसाई, वर्षा परसाई सहित बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए।

देशभर में दी सेवा : रिटायर्ड सीआरपीएफ सब इंस्पेक्टर उमेंद्र घोड़े ने बताया कि उन्होंने छत्तीसगढ़, कश्मीर, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम जैसे क्षेत्रों में सेवा दी। उन्होंने करियर की शुरुआत सैनिक के रूप में की थी और सब इंस्पेक्टर के पद से सेवानिवृत्त हुए।

मंदसौर में जुआ खेलते 6 लोग पकड़ाए:कचनारा पुलिस ने जंगल से दबोचा, 4740 रुपये और ताश के पत्ते जब्त

मंदसौर,एजेंसी। मंदसौर जिले के दलौदा थाना क्षेत्र की कचनारा चौकी पुलिस ने बुधवार सुबह कार्रवाई करते हुए 6 जुआरियों को पकड़ा। चौकी प्रभारी पूर्णिमा सिंह राजपूत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जंगल में छापा मारा और सभी को मौके से हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 4740 रुपए नकद और 52 ताश के पत्ते जब्त किए। पकड़े गए आरोपियों में चांद खां (37), संतोष (35), प्रदीप कुमावत (27), रवि पटवाना (35), राहुल सेन (40) और शोकत खां (40) शामिल हैं।

जुआ एक्ट में मामला दर्ज : जानकारी के अनुसार चांद खां और संतोष कचनारा के निवासी हैं। प्रदीप सरसौद गांव का रहने वाला है, जबकि रवि पटवाना भी कचनारा का ही निवासी है। वहीं राहुल नगरी का और शोकत खां पास के क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की गतिविधियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।

शाजापुर में युवती से छेड़छाड़:व्हाट्सएप पर अश्लील मैसेज और कॉल, बहन और मां को दी जान से मारने की धमकी

शाजापुर (उज्जैन),एजेंसी। शाजापुर में एक 24 वर्षीय युवती के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। पीड़िता ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। युवती के व्हाट्सएप नंबर पर 17 जुलाई को दोपहर करीब 4 बजे दो अलग-अलग मोबाइल नंबरों से वॉइस कॉल आए। एक नंबर से अश्लील मैसेज भेजे गए। दूसरे नंबर से कॉल करने वाले युवक ने भी अश्लील बातें कीं। 3 सितंबर को रात साढ़े 9 बजे डोल ग्यारस के जुलूस के दौरान दूसरी घटना हुई। युवती अपनी मां और बहन के साथ जुलूस देख रही थी। आदर्श मिष्ठान में काम करने वाले उदय कुशवाह ने उन्हें देखकर अभद्र टिप्पणियां कीं। उसने पैसों का प्रस्ताव भी रखा। विरोध करने पर उदय ने युवती, उनकी मां गायत्री और बहन को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने दोनों मोबाइल नंबर धारकों और उदय कुशवाह के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

ऑपरेशन व्हाइट बॉल के बाद जैवलिन की बारी

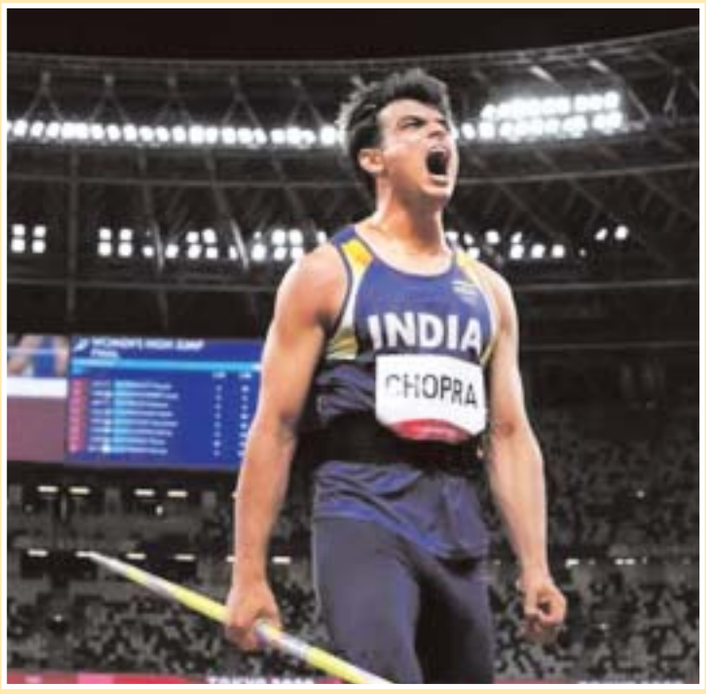

नीरज चोपड़ा भी देंगे पाकिस्तान को करारा जवाब

नई दिल्ली। ऑपरेशन व्हाइट बॉल के बाद अब भारत जैवलिन थ्रो इवेंट में पाकिस्तान को करारा जवाब देने को तैयार है। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जैवलिन थ्रो का इवेंट 17 और 18 सितंबर को होना है, जहां भारत के नीरज चोपड़ा और पाकिस्तान के अरशद नदीम आमने-सामने होंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, एशिया कप में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच में नो हैंडशेक कंट्रोवर्सी के कारण नीरज चोपड़ा पर भी नजरें टिकी हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम पहली बार आमने-सामने होंगे।

2024 पेरिस ओलंपिक के बाद पहली बार अरशद नदीम, नीरज चोपड़ा का सामना करने जा रहे हैं। नदीम ने पेरिस ओलंपिक में 92.97 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड जीता था, जबकि नीरज चोपड़ा को 89.45 मीटर थ्रो के साथ सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। ऐसे में नीरज चोपड़ा इस बार ओलंपिक का हिसाब चुकता करते हुए पाकिस्तान को करारा जवाब देना चाहेंगे।

वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में क्वालिफिकेशन इवेंट को दो ग्रुप में बांटा गया है। नीरज चोपड़ा ग्रुप-ए का हिस्सा हैं, जबकि अरशद नदीम को ग्रुप-बी में रखा गया है।

अरशद नदीम को नीरज चोपड़ा क्लासिक 2025 के लिए न्योता दिया गया था। पहले यह इवेंट मई में होना था, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के बाद इसे 5 जुलाई तक टाल दिया गया। हालांकि, अरशद इस इवेंट में नहीं खेले थे।

नीरज चोपड़ा ने बताया था कि उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले से दो दिन पहले अरशद को इस इवेंट के लिए इनवाइट किया था। आतंकी हमले के बाद अरशद का इस इवेंट में आना नामुमकिन था। अरशद नदीम ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हिस्सा लेना था, जिसके चलते उन्होंने इस टूर्नामेंट के लिए भारत आने से मना कर दिया। नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम के बीच मैदान पर अक्सर दोस्ताना व्यवहार देखा गया है। दोनों कई बार सार्वजनिक तौर पर एक-दूसरे की तारीफ करते नजर आ चुके हैं। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत की ओर से नीरज चोपड़ा के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव भी नजर आने वाले हैं। चोपड़ा को गत विजेता के रूप में वाइल्ड कार्ड मिला है।

बता दें कि एशिया कप-2025 में भारत-पाकिस्तान के बीच रविवार को हाई-वोल्टेज क्रिकेट मैच खेला गया, जिसमें 7 विकेट से जीत दर्ज करने के बाद भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया। भारत के इस कदम से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) बुरी तरह तिलमिलाया हुआ है।

पीकेएल-12 : लगातार 4 हार के बाद जीत की पटरी पर लौटा बंगाल वारियर्स, यूपी योद्धाज को लगातार चौथी हार दी

जयपुर। बंगाल वारियर्स ने अपने हरफनमौला खेल की बदौलत सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में मंगलवार को प्रो खेले गए कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 35वें मुकाबले में यूपी योद्धाज को 41-37 से हरा दिया। यह लगातार चार हार के बाद बंगाल की पहली जीत है जबकि यूपी को दो जीत के बाद लगातार चौथी हार मिली है।

बंगाल को जीत की पटरी पर लाने का श्रेय देवांक (17) को जाता है। मनप्रीत (5) ने उनका अच्छा साथ दिया और डिफेंस में आशीष ने हाई-5 के साथ यूपी की कमर तोड़ दी। यूपी के लिए गगन गौड़ा ने सात और गुमान सिंह ने पांच अंक लिए। डिफेंस में हितेश और आशू ने चार-चार अंक लेकर शुरुआत में देवांक पर लगाम लगाया लेकिन बाद में वे आजाद हो गए।

देवांक के खिलाफ सावधानी बरतते हुए यूपी की टीम ने चार मिनट की समाप्ति तक 3-2 की लीड ले रखी । इस बीच गुमान सेल्फ आउट हुए और इस तरह स्कोर 3-3 हो गया। इसके बाद बंगाल के डिफेंस ने देवांक को लपक फिर लीड ले ली। फिर गुमान ने मयूर को आउट कर बंगाल को सुपर टैकल की स्थिति में ला दिया। यूपी की टीम यही नहीं रुके। हितेश ने मनप्रीत को लपका और बंगाल को आलआउट की कगार पर ला दिया और फिर इसे अंजाम देकर 10-4 की लीड ले ली।

आलइन के बाद बंगाल के डिफेंस ने देवांक को फिर लपक लिया लेकिन परतीक ने गुमान को लपकते हुए देवांक को रिवाइव करा लिया। 10 मिनट बाद यूपी 12-5 से आगे थे। ब्रेक के बाद बंगाल ने एक के मुकाबले तीन अंक लेकर वापसी की राह पकड़ी। गगन को बंगाल का डिफेंस मौका नहीं दे रहा था लेकिन यूपी का डिफेंस हर बार अच्छी पकड़ के साथ फासले को बरकरार रखा। इसी बीच यूपी के डिफेंस ने देवांक को तीसरी बार लपक लिया।

बंगाल के डिफेंस ने गुमान को लपका तो हितेश और साहुल ने मनप्रीत का शिकार कर स्कोर 16-10 कर दिया। इस बीच रिवाइव होकर आए देवांक ने दो अंक की रेड के साथ फासला 4 का कर दिया लेकिन अगली रेड पर आशू ने देवांक को लपक लिया। फिर हाफटाइम से ठीक पहले आशू ने पुनीत को लपक स्कोर 18-13 कर दिया।

हाफटाइम के बाद देवांक ने बोनस लिया और फिर बंगाल के डिफेंस ने गगन को लपक फासला 3 का कर दिया लेकिन देवांक को लपक यूपी ने अपने इरादे जाहिर कर दिए। यूपी ने जल्द ही 21-17 की लीड ली लेकिन देवांक की रेड पर हितेश ने गलती कर दी। इस बीच शिवम ने मल्टीप्वाइंटर के साथ स्कोर 22-18 किया लेकिन देवांक ने सुमित को आउट कर इसका बदला लिया। 30 मिनट की समाप्ति तक यूपी 25-22 से आगे थे लेकिन उनके केवल दो खिलाड़ी मैट पर थे।

ब्रेक के बाद देवांक ने एक ही रेड में आलआउट लेकर बंगाल को 26-25 की लीड दिला दी लेकिन इसके बाद यूपी ने लगातार चार अंक लेकर 30-29 की लीड ले ली। मनप्रीत ने हालांकि स्कोर बराबर किया और फिर शिवम को लपक बंगाल ने लीड ले ली। गगन ने हालांकि बोनस के साथ स्कोर फिर बराबर कर दिया। हाई-5 लगाने वाले आशीष को पीला कार्ड मिलने के बाद बंगाल ने यूपी क आलआउट की ओर धकेला और फिर इसे अंजाम देकर जीत पक्की कर।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम घोषित, चंद्रपॉल और अथानाजे को मिला मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए मंगलवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज के लिए पूर्व कप्तान क्रैग ब्रेथवेट को मौका नहीं मिला है, जबकि तेगनारायण चंद्रपॉल और एलिक अथानाजे को टीम में जगह मिली है। वेस्टइंडीज को दो से छह अक्तूबर तक अहमदाबाद और 10 से 14 अक्तूबर के बीच नई दिल्ली में भारत के खिलाफ टेस्ट मैच खेलने हैं।

डब्ल्यूटीसी 2025-27 चक्र की शुरुआत करेगा भारत

वेस्टइंडीज भारत के खिलाफ इस सीरीज से ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र की शुरुआत करेगी। वेस्टइंडीज की कमान रोस्टन चेज के हाथों में होगी, जबकि जोमेल वारिकन उपकप्तान हैं। चयनकर्ताओं ने 33 वर्षीय ऑलराउडर खेरी पियरे को पहली बार टेस्ट टीम में शामिल किया है। भारत के पिछले दौरे (2018) पर टीम की अगुआई करने वाले ब्रेथवेट ने इस साल मार्च में कप्तानी पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में बल्ले से खराब प्रदर्शन के बाद टीम से बाहर कर दिया गया है।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने अपनी वेबसाइट पर कहा, चंद्रपॉल और अथानाजे को शीर्ष क्रम की बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए टीम में शामिल किया गया है, जबकि पियरे को वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में मजबूत प्रदर्शन के बाद टीम में दूसरे विशेषज्ञ स्पिनर के रूप में शामिल किया गया है। उन्होंने वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में उन्होंने 13.56 की औसत से 41 विकेट लिए थे।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम इस प्रकार है...

रोस्टन चेज (कप्तान), जोमेल वारिकन (उपकप्तान), केवलोन एंडरसन, एलिक अथानाजे, जॉन कैम्पबेल, तेगनारायण चंद्रपॉल, जस्टिन ग्रिव्स, शाई होप (विकेटकीपर), तेविन इमलाच, अल्जारी जोसेफ, शमार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एंडरसन फिलिप, खारी पियरे, जेडन सील्स।

डेरेन सैमी (मुख्य कोच), फ्लॉय रिएफेर (बल्लेबाजी कोच), रवि रामपॉल (गेंदबाजी कोच), रेयन ग्रिफिथ (फील्डिंग कोच)।

भारत-पाकिस्तान मैच समाप्त, मुद्दे को तूल देना गलत : अरुण धूमल

हमीरपुर। बीसीसीआई के पूर्व कोषाध्यक्ष और आईपीएल के कमीश्नर अरुण धूमल ने कहा है कि एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच से संबंधित जो भी सवाल पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उठाए हैं, उस पर आईसीसी फैसला लेगी। एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच की समाप्ति के बाद हुए घटनाक्रम पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड द्वारा उठाई जा रही आपत्तियों पर आईपीएल के अध्यक्ष अरुण धूमल ने मीडिया से बात करते हुए कहा, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड द्वारा उठाए गए सवालों का निपटारा आईसीसी नियमों के तहत करेगी। मैच समाप्त हो चुका है। इस विषय को पाकिस्तान बोर्ड को नहीं उठाना चाहिए था, लेकिन अगर किसी को लगता है कि इस मुद्दे पर कोई गलती हुई है, तो आईसीसी फैसला लेगी। भारत-पाकिस्तान मैच के दौरान रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट की भूमिका को संदेहास्पद बताते हुए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें हटाने की मांग आईसीसी से की थी, जिसे आईसीसी ने अस्वीकार कर दिया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रेफरी को न हटाए जाने की स्थिति में एशिया कप के बहिष्कार की धमकी दी थी। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक आईसीसी द्वारा एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग अस्वीकार करने के बावजूद अब पाकिस्तान एशिया कप के बहिष्कार से पीछे हट गया है। इंडिया पाकिस्तान मैच खेलने पर उठे विवाद पर अरुण धूमल ने कहा कि अब मैच समाप्त हो चुका है, उसे पर तूल देना गलत है। जहां तक दो देशों की बात है तो भारत-पाकिस्तान क्रिकेट टीम के साथ मैच नहीं खेलेगा मगर आईसीसी नियमों के तहत सभी बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में एक दूसरे के साथ खेलना पड़ता है।

चक्रवर्ती आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में नए नंबर 1 बने

नई दिल्ली, एजेंसी । आईसीसी की मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, स्पिनर वरुण चक्रवर्ती संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेले जा रहे एशिया कप के अपने टीम के पहले दो मैचों में किफायती गेंदबाजी के बाद आईसीसी पुरुष टी 20 आई गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले तीसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। 34 वर्षीय चक्रवर्ती ने यूएई के खिलाफ दो ओवर में चार रन देकर एक विकेट और पाकिस्तान के खिलाफ चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लेकर तीन पायदान की छलांग लगाकर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की बराबरी की। चक्रवर्ती, जिनका पिछला सर्वश्रेष्ठ दूसरा स्थान था, जो उन्होंने फरवरी 2025 में हासिल किया था, ने न्यूजीलैंड के जैकब डफी को पीछे छोड़ दिया, जो मार्च से शीर्ष पर थे। महाद्वीपीय टूर्नामेंट में खेल रहे कई अन्य खिलाड़ियों ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है। श्रीलंका के तेज गेंदबाज नुवान तुषारा छह स्थान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर आ गए हैं, जबकि कई स्पिनरों को भी ताज़ा साप्ताहिक अपडेट में बढ़त मिली है।

30वां अखिल भारतीय जे.पी. अत्रे मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट 20 सितंबर से होगा शुरू

चंडीगढ़, एजेंसी। अखिल भारतीय जे.पी. अत्रे मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का 30वां संस्करण 20 से 30 सितंबर, 2025 तक पीसीए न्यू क्रिकेट स्टेडियम, मुल्लांपुर, आई.एस. बिंद्रा क्रिकेट स्टेडियम, मोहाली, सेक्टर 16 क्रिकेट स्टेडियम चंडीगढ़, ताऊ देवीलाल क्रिकेट स्टेडियम, सेक्टर 3 पंचकूला और महाजन क्रिकेट अकादमी, चंडीगढ़ में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के संयोजक विवेक अत्रे और आयोजन सचिव कैप्टन सुशील कपूर के अनुसार, पिछले वर्ष के विजेता पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के साथ-साथ एचपीसीए, जेकेसीए, यूटीसीए, एचसीए और भारतीय रेलवे भी इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे।

30वां अखिल भारतीय टूर्नामेंट पंजाब क्रिकेट संघ के तत्वावधान में खेला जा रहा है और बीसीसीआई से मान्यता प्राप्त है। 12 टीमों को चार पूल में विभाजित किया जाएगा और टूर्नामेंट लीग कम नॉक आउट आधार पर खेला जाएगा। मैच प्रत्येक पक्ष के 50 ओवर के होंगे। सभी मैच एसजी टेस्ट रेड (एलई) क्रिकेट गेंदों और सफेद कपड़ों के साथ खेले जाएंगे। लीग चरण के बाद प्रत्येक समूह की शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल खेलेंगी। सभी मैच सुबह 9 बजे शुरू होंगे। पीसीए पैनल के स्कोरर और अंपायर टूर्नामेंट में अंपायरिंग करेंगे। 30वां अखिल भारतीय टूर्नामेंट पंजाब क्रिकेट संघ के तत्वावधान में खेला जा रहा है और बीसीसीआई से मान्यता प्राप्त है। विजेताओं को 2.00 लाख रुपये का नकद पुरस्कार और विजेता ट्रॉफी मिलेगी, जबकि उपविजेता टीम को 1.00 रुपये का नकद पुरस्कार और उपविजेता ट्रॉफी मिलेगी। इसके अलावा प्रत्येक मैच के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और मैन ऑफ द टूर्नामेंट का पुरस्कार भी दिया जाएगा। टूर्नामेंट के संयोजक विवेक अत्रे ने आशा व्यक्त की कि पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का 30वाँ संस्करण आगामी घरेलू सत्र के लिए क्रिकेटरों के लिए एक बेहतरीन तैयारी साबित होगा।

इस अवसर पर पंजाब पुलिस के

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने सूर्यकुमार यादव के लिए लाइव टीवी पर किया अभद्र भाषा का इस्तेमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप 2025 में 14 सितंबर को दुबई में खेला गया मुकाबला चर्चा में बना हुआ है। वजह है भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और भारतीय टीम द्वारा पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ न मिलाना। पाकिस्तान टीम और पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर इसे अपना अपमान समझ रहे हैं। हद तो तब हो गई जब पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने लाइव टीवी पर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। भारतीय टीम द्वारा मैच के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम से हाथ न मिलाने का मामला पाकिस्तान में चर्चा का विषय बना हुआ है। वहां टीवी पर इस विषय पर कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। समा टीवी पर

आयोजित ऐसे ही एक कार्यक्रम में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मोहम्मद यूसुफ ने सूर्यकुमार यादव के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया। कार्यक्रम की एंकर ने समझा की यूसुफ शायद नाम लेने में गलती कर रहे हैं, इसलिए सूर्यकुमार यादव का नाम उन्होंने लिया। इसके बावजूद यूसुफ नहीं माने और भारतीय कप्तान के लिए लगातार अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तानों राशिद लतीफ और शाहिद अफरीदी ने भी भारतीय टीम और कप्तान और सूर्यकुमार यादव के लिए कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया है। अफरीदी ने भारतीय टीम की खेल भावना पर सवाल उठाए। वहीं, राशिद लतीफ ने कहा, अगर पहलगाम का मामला है तो युद्ध करो लेकिन क्रिकेट को बीच में मत लाओ। पहले भी युद्ध हुए हैं पर हमने हमेशा हैंडशेक किया है।

भारत-पाकिस्तान मैच में टॉस के दौरान भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया था। मैच में जीत के बाद भी भारतीय टीम ने पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाया। प्रेजेंटेशन के दौरान भारतीय कप्तान ने पहलगाम हमले का जिक्र किया और पीड़ितों के प्रति एकजुटता की प्रतिबद्धता जताते हुए जीत को भारतीय सेना को समर्पित किया।

टीम इंडिया की मुख्य प्रायोजक बनी अपोलो टायर्स, बीसीसीआई ने किया ऐलान

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को अपोलो टायर्स का नाम टीम इंडिया के नए प्रमुख प्रायोजक के रूप में घोषित किया। अपोलो ने टीम इंडिया के प्रमुख प्रायोजक के रूप में ड्रीम 11 को रिप्लेस किया है। बीसीसीआई और आपोलो टायर्स के बीच यह समझौता ढाई साल के लिए हुआ है और मार्च 2028 में समाप्त होगा। समझौते के मुताबिक, अपोलो टायर्स का लोगो सभी प्रारूपों में भारतीय पुरुष और महिला राष्ट्रीय टीमों की जर्सी पर दिखाई देगा।

बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा कि यह अपोलो टायर्स का भारतीय क्रिकेट में पहला कदम है, जो देश के साथ गहराई से जुड़े खेल के साथ जुड़ने का एक रणनीतिक कदम है। विज्ञप्ति के मुताबिक, कड़ी बोली प्रक्रिया के बाद हासिल की गई यह नई साझेदारी प्रायोजन मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है, जो भारतीय क्रिकेट की व्यापक और बढ़ती व्यावसायिक अपील को प्रदर्शित करती है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, अपोलो टायर्स का हमारे नए प्रायोजक के रूप में आना हमारी टीमों की कड़ी मेहनत और निरंतर प्रदर्शन का प्रमाण है। हम भारतीय क्रिकेट में अपोलो के पहले प्रमुख प्रायोजन को लेकर उत्साहित हैं, जो इस खेल की अद्वितीय पहुंच और प्रभाव को दर्शाता है। यह एक व्यावसायिक समझौते से कहीं बढ़कर है। यह दो संस्थानों के बीच एक साझेदारी है, जिन्होंने लाखों लोगों का विश्वास और सम्मान अर्जित किया है। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, अपोलो टायर्स का हमारे नए प्रमुख प्रायोजक के रूप में स्वागत करते हुए हमें खुशी हो रही है। यह एक महत्वपूर्ण अवसर है, जो भारत की दो सबसे शक्तिशाली और स्थायी विरासतों भारतीय क्रिकेट की अटूट भावना और अपोलो टायर्स की अग्रणी विरासत, को एक साथ ला रहा है।

एशिया कप - बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 8 रन से हराया

अबू धाबी, एजेंसी। एशिया कप 2025 में मंगलवार को अबू धाबी के शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 8 रन से हराकर टूर्नामेंट में खुद को जिंदा रखा है।

अफगानिस्तान को जीत के लिए 155 रन का लक्ष्य मिला था। अफगान टीम 20 ओवर में 146 रन पर सिमट गई और 8 रन से मैच हार गई। अफगानिस्तान के टॉप ऑर्डर के बल्लेबाज सेदिकुल्लाह अटल शून्य और इब्राहिम जादरान 5 रन बनाकर आउट हुए। दोनों की असफलता अफगानिस्तान टीम की हार का कारण बनी।

विकेटकीपर बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज 35 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे। अजमतुल्लाह उमरजई ने 30 और कप्तान राशिद खान ने 20 रन बनाए। शेष कोई भी बल्लेबाज बांग्लादेश के गेंदबाजों का सामना नहीं कर सका।

बांग्लादेश के लिए अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने बेहतरीन गेंदबाजी की और

4 ओवर में 28 रन देकर 3 विकेट लिए। नासुम अहमद, तस्कीन अहमद और रिशाद हुसैन ने 2-2 विकेट लिए। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश ने 5 विकेट पर 154 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाजों सैफ हसन और तंजीद हसन ने मजबूत शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 6.4 ओवर में 63 रन जोड़े। सैफ हसन 28 गेंद पर 30 रन बनाकर आउट हुए। तंजीद हसन ने 31 गेंद पर 3 छक्के और 4 चौके की मदद से 52 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान लिटन दास 11 गेंद पर 9, शमीम हुसैन 11 गेंद पर 11 और तौहीद हृदोय 20 गेंद पर 26 रन बनाकर आउट हुए। जाकेर अली और नुरूल हसन ने नाबाद 12-12 रन बनाए।

अफगानिस्तान के लिए कप्तान राशिद खान ने शानदार गेंदबाजी की और 4 ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट लिए। नूर अहमद ने भी 4 ओवर में 23 रन देकर 2 विकेट लिए। उमजई ने 1 विकेट लिए।

महासेवा अभियान का हुआ शुभारंभ, स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान की हुई शुरूआत

मातृ शक्ति के स्वस्थ रहने से ही समाज सशक्त होगा: सांसद

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा हुआ शुरू

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले भर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर महासेवा अभियान का शुभारंभ हुआ। स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य विभागों के सहयोग से स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का शुरूआत हुई तथा 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक संचालित होने वाले स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा का भी शुभारंभ हुआ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धार जिले में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ किया। उन्होंने पीएम मित्र पार्क का शिलान्यास कर जनकल्याणकारी योजनाओं की राशि हितग्राहियों के खातों में सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। प्रधानमंत्री के लाइव समारोह को जिला चिकित्सालय रीवा में आयोजित कार्यक्रम में देखा गया। प्रधानमंत्री के उद्बोधन से पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वागत उद्बोधन देते हुए प्रधानमंत्री को साधुवाद दिया कि उन्होंने अपना 75वां जन्म दिवस मध्यप्रदेश के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में आदिवासी भाई बहनों के मध्य मनाया।

कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय में आयोजित स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत आयोजित कार्यक्रम में सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में देश में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कल्याणकारी कार्य किये जा रहे हैं। स्वस्थ्य व्यक्ति से ही स्वस्थ समाज का निर्माण होता है। शिक्षा एक ऐसा माध्यम है जो आगे बढ़ने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि मोदी का जन्म दिवस पर किये जा रहे जनकल्याणकारी कार्य समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति के जीवन में प्रकाश लाने का माध्यम बनेंगे। उन्होंने कहा कि मातृशक्ति के स्वस्थ रहने से ही समाज सशक्त होगा। सांसद ने उपस्थित जनों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में पूर्व महापौर वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि स्वस्थ सेवा पखवाड़ा की शुरूआत हुई है। उन्होंने रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान करने वालों को साधुवाद दिया।

नि:शुल्क जांच शिविर आयोजित हुआ:- जिला चिकित्सालय में महिलाओं में एनीमिया, कैंसर, क्षय रोग, मोतिया विंद, ग्लुकोमा के साथ ही रक्तचाप, मधुमेह, टीबी सहित संचारी व असंचारी रोगों की पहचान के लिये जांच की गई। इस दौरान 967 व्यक्तियों की जांच की गयी। गर्भवती महिलाओं की जांच के साथ महिलाओं व बच्चों का टीकाकरण भी किया गया। शिविर के प्रथम दिन 80 लोगों की हीमोग्लोबिन, 143 रक्तचाप, 116 के मधुमेह, 5 सरवाइकल कैंसर स्क्रीनिंग, 62 ओरल कैंसर स्क्रीनिंग, 4 ब्रोस्ट कैंसर स्क्रीनिंग, 93 सिकल सेल स्क्रीनिंग तथा अन्य 233 लोगों की जांच की गयी। इस अवसर पर 79 लोगों के आयुष्मान कार्ड बनाये गये। प्रथम दिवस जांच के दौरान 27 मेजर सर्जरी तथा एक माइनर सर्जरी का चिन्हांकन किया गया।

सौ से अधिक रक्तदाताओं ने किया रक्तदान:- जिला चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान 87 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। मनगवां विधायक इंजी. नरेन्द्र प्रजापति सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं व स्थानीयजनों ने रक्तदान किया।

पोषण प्रदर्शनी लगाई गई :- स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पोषण प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। पोषण माह में पोषण जागरूकता से संबंधित गतिविधियों का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम में रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र प्रदान किये गये। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, कलेक्टर प्रतिभा पाल, कमलेश्वर सिंह, डॉ. अजय सिंह, महामंत्री राजेश पाण्डेय, विद्याप्रकाश श्रीवास्तव, सीएमएचओ डॉ. संजीव शुक्ला, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी नयन सिंह, सिविल सर्जन डॉ. प्रतिभा मिश्रा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, अधिकारी, कर्मचारी व स्थानीय जन उपस्थित रहे।

सात दिवसीय स्काउट मास्टर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन, छात्रों को सेवाभावी बनाने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। भारत स्काउट एवं गाइड मध्य प्रदेश के निर्देश पर रीवा के मॉडल स्कूल नईगढ़ी में सात दिवसीय स्काउट मास्टर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में रीवा और मऊगंज जिले के स्काउट मास्टरों ने बेसिक प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण की दिनचर्या सुबह व्यायाम और योग से शुरू होती थी। प्रतिभागियों को स्काउटिंग के मूल सिद्धांतों की जानकारी दी गई। इसमें स्काउट के उद्देश्य, नियम, प्रतिज्ञा, सेवा भावना और कंपास का ज्ञान शामिल था। साथ ही प्राथमिक चिकित्सा, स्वास्थ्य नियम, सड़क सुरक्षा, विभिन्न गांठें बांधना और ध्वज संबंधी जानकारी भी दी गई।

भोपाल से आए राष्ट्रीय ट्रेनर ने दी ट्रेनिंग: डॉ. सत्यनारायण पांडिय, राष्ट्रीय प्रशिक्षण लीडर ट्रेनर, स्काउट मुख्यालय भोपाल ने प्रशिक्षण दिया। रामसूरत शर्मा, बीपी त्रिपाठी, राजेंद्र साकेत समेत कई अन्य प्रशिक्षकों ने सहयोग किया। शिविर की व्यवस्था का दायित्व शिक्षक ज्ञानेंद्र सिंह बहुती ने संभाला।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि एसडीएम राजेश मेहता ने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे छात्रों को सेवाभावी बनाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विकासखंड शिक्षा अधिकारी हिछलाल वर्मा ने की। मॉडल स्कूल के प्रभारी प्राचार्य सरोज गुप्रा ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में स्काउट सेवा रीवा के अध्यक्ष, सचिव और जिला योग प्रशिक्षक भी उपस्थित रहे।

सांसद ने बच्चों को रगड़-रगड़कर नहलाया, कपड़े धोए और नाखून भी काटे; माता-पिता से बोले- सफाई से स्कूल भेजा करो

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सांसद जनार्दन मिश्रा जिले के बड़ागांव पंचायत पहुंचे, जहां उन्होंने मुसहर समाज के बच्चों को नहलाया। उनके नाखून काटे और गंदे कपड़े धोए। सांसद मंगलवार को सेवा पखवाड़ा के तहत गांव में पहुंचे थे। उन्होंने बच्चों को नहलाते समय ग्रामीण महिलाओं को समझाया कि बच्चों को सही ढंग से नहलाना और कपड़े साफ करना क्यों जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता जीवन का अहम हिस्सा है। साफ-सुथरे रहकर ही स्वस्थ जीवन संभव है।

बच्चों को स्कूल भेजने की पहल: नहलाने और कपड़े धोने के बाद सांसद ने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए तैयार किया। उन्होंने माता-पिता से कहा कि वे पढ़ाई के साथ बच्चों की स्वच्छता पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि जब बच्चे साफ-सुथरे होकर स्कूल जाएंगे, तभी उनमें आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे शिक्षा के महत्व को समझ पाएंगे।

रीवा में पंडित श्रीनिवास तिवारी की प्रतिमा अनावरण

पटवारी, दिग्विजय और सिंघार रहे मौजूद; जयंती पर हुआ कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। बुधवार को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष स्वर्गीय श्रीनिवास तिवारी की प्रतिमा का अनावरण किया गया। कई दिनों से स्थल चयन को लेकर विवाद चल रहा था, लेकिन अब स्थिति शांत होने के बाद प्रतिमा का अनावरण हुआ। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सहित कांग्रेस के सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पहले लगाई थी प्रतिमा स्थापना पर रोक: नगर निगम ने पहले जिस स्थान पर प्रतिमा स्थापित करने का काम शुरू किया था, वहां पुलिस ने रोक लगा दी थी। कांग्रेस ने इस पर आंदोलन की चेतावनी दी थी। बाद में प्रशासन ने बैकफुट पर आते हुए पहले वाले स्थान पर प्रतिमा स्थापना की अनुमति दे दी। पहले प्रतिमा को पुलिस लाइन चौक ले जाया गया था, लेकिन अंतत: पेडस्टल बनाकर उसे स्थापित कर अनावरण किया गया।

कांग्रेस नेताओं ने किया संबोधित: अनावरण के बाद आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं ने अपने विचार रखे। जिला कांग्रेस कमेटी रीवा ग्रामीण अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि प्रशासनिक बाधाएं दूर होने के बाद प्रतिमा अनावरण संभव हुआ है।

पटवारी बोले- शोषितों और वंचितों के नेता थे तिवारी: प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा- पंडित श्रीनिवास तिवारी सर्वहारा वर्ग के नेता थे। उन्होंने दलित, शोषित, वंचित और जरूरतमंदों की आवाज को हमेशा बुलंद किया। परिस्थितियों के सामने कभी झुके नहीं। यही वजह है कि आज भी लोग उन्हें याद करते हैं।

छात्रावासों की समस्याएं दूर कर बेहतर संचालन सुनिश्चित करें: संभागीय उपायुक्त

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संभागीय उपायुक्त जनजाति कार्य तथा अनुसूचित जाति विकास जेपी यादव ने द्वारा कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में अनुसूचित जाति तथा जनजाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित किये जा रहे छात्रावास के अधीक्षकों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने छात्रावास अधीक्षकों को निर्देशित किया कि छात्रावास परिसर में ही या मुख्यालय में निवास करें तथा छात्रावासी विद्यार्थियों के सतत संपर्क में रहें, उनकी समस्त व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करें तथा उनके साथ संवेदनशील व्यवहार करते हुए अध्ययन के लिए अच्छा माहौल प्रदान करें। सभी छात्रावास अधीक्षक अपने संस्था के सभी विद्यार्थियों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दें। माता-पिता और घर के लोगों के अलावा अन्य के साथ बच्चों को ना छोडें। छात्रावासों में सी सी टीवी कैमरे लगाए जाएं तथा उन्हें चालू अवस्था में रखा जाये। गुणवत्तायुक्त भोजन, साफ-सफाई व्यवस्था तथा शौचालय आदि की बेहतर व्यवस्था के निर्देश दिये गये।

यादव ने उपस्थित अधिकारियों को छात्रावसों के नियमित निरीक्षण कर समस्याओं का समाधान कर बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिए की छात्रावासों की खुली भूमि पर किचन गार्डन विकसित किए जाएं। एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत स्टाफ तथा बच्चे पौधारोपण करें, उन्हें सुरक्षित रखें तथा वायुदूत एप पर लोड करें। बैठक मे जिला संयोजक कमलेश्वर सिंह सहित विभागीय अधिकारी तथा जिले के समस्त छात्रावासों के अधीक्षक उपस्थित रहे।

एसपी ने किया थानों का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाएं सुधारने दिए निर्देश; साफ-सफाई और रिकॉर्ड दुरुस्त रखने की हिदायत

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में नवागत पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान ने मंगलवार रात शहर के पुलिस थानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थानों की सुरक्षा व्यवस्था, रिकॉर्ड और पुलिस बल की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया।

पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह ने सिविल लाइन और विश्वविद्यालय थाने का निरीक्षण किया। उन्होंने थानों में तैनात पुलिसकर्मियों की उपस्थिति और उनकी कार्यप्रणाली की समीक्षा की। इसके साथ ही थानों में अपराध संबंधित दस्तावेज, रिकॉर्ड मैनेजमेंट और साफ-सफाई का भी निरीक्षण किया।

अपराध नियंत्रण और थानों की कार्यप्रणाली: एसपी ने थानों में अपराधों पर नियंत्रण की स्थिति और गंभीर मामलों की जांच की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने थानों में सुरक्षा व्यवस्था का मूल्यांकन करते हुए आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

सीसीटीवी और बंदीगृह का निरीक्षण: पुलिस अधीक्षक ने थानों में लगे सीसीटीवी कैमरों का जायजा लिया और बंदीगृह की स्थिति का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और अपराध नियंत्रण के लिए थानों में व्यवस्थित रिकॉर्ड और तैनाती आवश्यक है।

रीवा में कार की टक्कर से मऊगंज के अतिथि प्रोफेसर की मौत, दूसरा गंभीर

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मऊगंज कॉलेज के अतिथि प्रोफेसर डॉ. संतोष तिवारी की सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना रीवा शहर के समान चौराहे के पास हुई। दरअसल, एक तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। इससे वे सड़क पर गिर गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। जबकि उनके साथी डॉ. एनडी तिवारी घायल हो गए। घटना मंगलवार रात 10 बजे की है।

स्थानीय लोगों ने पहुंचाया अस्पताल: डॉ. संतोष तिवारी (मृतक) और डॉ. एनडी तिवारी (घायल) दोनों मऊगंज कॉलेज में अतिथि प्रोफेसर के रूप में कार्यरत थे। स्थानीय लोगों ने तत्काल दोनों घायलों को संजय गांधी स्मृति अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने डॉ. संतोष तिवारी को मृत घोषित कर दिया। डॉ. एनडी तिवारी का इलाज चल रहा है। उनकी हालत गंभीर बनी हुई है।

टक्कर के बार चालक कार सहित मौके से फरार: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार तेज गति से आ रही थी। टक्कर के बाद चालक कार सहित मौके से फरार हो गया। चौराहे पर मौजूद लोगों ने कार का नंबर नोट कर लिया है। पुलिस ने नंबर के आधार पर वाहन मालिक और चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी ड्राइवर को जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया है।

महिला एवं बाल विकास विभाग में आयोजित होंगे पोषण और स्वच्छता से जुड़े कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सेवा पखवाड़ा 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है। इस अवधि में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिलाओं तथा बच्चों के पोषण और स्वच्छता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियाँ तथा महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह ने बताया कि अभियान के तहत 18 सितम्बर को प्रत्येक परियोजना में किशोरी बालिकाओं के पोषण की जाँच, मोटापे की पहचान तथा स्वस्थ आहार परामर्श के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी तरह 19 सितम्बर को व्यंजन प्रतियोगिता, शिशुओं के पोषण और बच्चों के लिए पूरक पोषण आहार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान में 20 सितम्बर को 6 साल तक के सभी बच्चों के आधार कार्ड बनाने के लिए शिक्षा विभाग के सहयोग से शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में आभा आईडी भी बनाई जाएगी। अभियान में 22 सितम्बर को परियोजना स्तर पर 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के प्रशिक्षण के लिए मार्गदर्शन कार्यशाला तथा सभी आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों को रोचक कहानी सुनाने के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के तहत 23 सितम्बर को जिला एवं परियोजना स्तर पर स्थानीय उत्पादों तथा पौष्टिक पदार्थों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। आंगनवाड़ी केन्द्रों में आने वाली माताओं को स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग के लिए जागरूक किया जाएगा। इसी तरह 24 सितम्बर को आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा कार्यकर्ताओं को शिशुओं और गर्भवती महिलाओं की स्वास्थ्य रक्षा के संबंध में प्रशिक्षण दिया जाएगा। अभियान में 25 सितम्बर को स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से परियोजना स्तर पर स्वास्थ्य जाँच शिविर आयोजित किए जाएंगे। इस दिन आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों और किशोरियों के लिए खेलकूद तथा योग का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा की हर गतिविधि आयोजित करें, जनप्रतिनिधियों तथा आमजनता को अभियान में सहभागी बनाएं: कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि जिले भर में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े से जुड़ी गतिविधि आयोजित करें। इसमें शामिल विभागों के अधिकारी तिथिवार कार्यक्रम तैयार कर शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यक्रम आयोजित करें। इन कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रूप से आमंत्रित करें। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के कार्यक्रमों में सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आमजनता को भी सहभागी बनाएं। प्रतिदिन आयोजित कार्यक्रम का विवरण फोटो के साथ पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करें। अभियान से जुड़े सभी अधिकारी स्वच्छता ही सेवा से जुड़े कार्यक्रमों के अच्छे फोटोग्राफ सहित विवरण प्रतिदिन जनसम्पर्क अधिकारी को उपलब्ध कराकर समुचित प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि जिला शिक्षा अधिकारी तथा क्षेत्रीय संचालक उच्च शिक्षा शिक्षण संस्थाओं में निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता के माध्यम से स्वच्छता, नशामुक्ति तथा पर्यावरण संरक्षण के संदेश दें। रीवा में 21 सितम्बर को आयोजित होने वाली नमो मैराथन में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों का पंजीयन ऑनलाइन कराएं। आयुक्त नगर निगम तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, वृक्षारोपण, लोकल फॉर वोकल तथा महिला सशक्तिकरण से जुड़ी गतिविधियाँ आयोजित करें। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास स्वास्थ्य विभाग द्वारा महिलाओं की निःशुल्क जाँच शिविर के साथ-साथ पोषण प्रदर्शनी का आयोजन करें। आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के माध्यम से शिविर में प्रत्येक गर्भवती महिला की जाँच सुनिश्चित करें। जिला संयोजक आदिमजाति कल्याण स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े में सभी छात्रावासों में साफ-सफाई, स्वच्छता जागरूकता के लिए चित्रकला तथा रंगोली प्रतियोगिता एवं स्वच्छता के लिए श्रमदान का आयोजन कराएं। अभियान से जुड़े अन्य अधिकारी भी प्रतिदिन कार्यक्रमों का अनिवार्य रूप से आयोजन करें। बैठक में आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ आरपी सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नयन सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी रामराज मिश्रा एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विधिक जागरूकता शिविर संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राकेश मोहन प्रधान के मार्गदर्शन में एवं जिला न्यायाधीश अंजली पारे एवं न्यायाधीश / सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रीवा समीर कुमार मिश्र के नेतृत्व में शासकीय उ.मा.वि.जगरहा, एवं ग्राम पंचायत अजगरहा में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अंजली पारे ने अपने उद्धबोधन में पॉक्सो अधिनियम के बारे में बालकों को विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि 18 वर्ष से कम आयु के किसी बच्चे के साथ यदि लैंगिक अपराध होता है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।